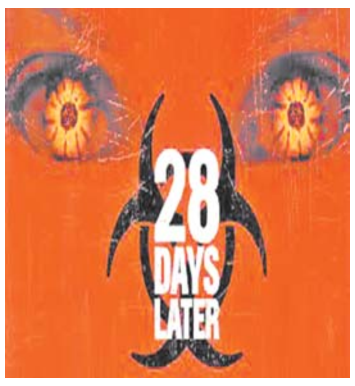

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 199/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 28 फरवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आज दूसरा दिन, आर्थिक रिपोर्ट पेश

मप्र की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई: शिवराज

विकास दर 16.34प्रतिशत बढ़ी, विधानसभा में कटौती प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आज दूसरा दिन है। सदन को आज दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले विधानसभा के पटल पर आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पेश गई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आर्थिक सर्वेक्षण में जो तथ्य आए हैं, वो सिद्ध करते हैं कि स्र्क्रकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। राज्य के बजट का आधार और कर संग्रहण बढ़ता जा रहा है। स्र्क्रकी विकास दर में 16.34त्न की बढ़ोतरी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 2002 में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 71594 करोड़ से बढ़कर 1322000 करोड़ हो गया है। पर कैपिटा इनकम 2002 में 11718 रुपए थी। 2022-23 में बढ़कर 140500 रुपए पर कैपिटा इनकम हुई है। सरकार पर लगातार कर्ज लेने का आरोप लगाया जाता है, लेकिन आंकड़ों के हिसाब से पहले 39.5त्न कर्ज लिया जाता था। 2021 - 2022 में कर्ज प्रतिशत घटकर 22.6 हो गया है। रॉयल्टी सेक्टर में भी विस्तार हुआ है। 13.4त्न किसानों को स्र्स्र्ध को 30.22त्न ऋ्रण दिया गया है। 521 करोड़ से ज्यादा का ऋ्रण स्ट्रीट वेंडर्स को दिया जा चुका है।

विपक्ष लाएगा कटौती प्रस्ताव- राज्यपाल के कल हुए अभिभाषण पर भी चर्चा हो रही है। विपक्ष आज सदन में कटौती प्रस्ताव लाएगा। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कटौती प्रस्ताव लाने की तैयारी की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सरकार ने राज्यपाल से जो भाषण दिलवाया, उसमें असफल योजनाओं का सफलतापूर्वक व्याख्यान किया गया। 2007 से 2023 तक साढ़े 13 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों का उल्लेख किया, लेकिन केवल 3 लाख करोड़ का निवेश अब तक मप्र की सरकार ने विधानसभा में जवाब में बताया है। राज्यपाल से शिवराज सरकार ने झूठी वाहवाही कराई है। सीधी बस दुर्घटना के संबंध में हमारे साथियों ने ध्यानाकर्षण लगाए हैं। उन पर चर्चा कराने के लिए अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है।

डिजिटल बजट पर कांग्रेस विधायक एकमत नहीं

मध्यप्रदेश का बजट 1 मार्च को आएगा। पहली बार विधानसभा में बजट डिजिटल यानी पेपरलेस पेश किया जाना है। इसके लिए विधानसभा सचिवालय की ओर से सभी 230 विधायकों को टैबलेट दिए जाएंगे। मीडिया को भी सॉफ्ट कॉपी मुहैया कराने के लिए पेनड्राइव दी जाएगी।

डिजिटल बजट पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह कह चुके हैं कि वे इसका विरोध करेंगे, जबकि उनकी पार्टी के ही कुछ विधायक इसे नवाचर बता रहे हैं। यानी पेपरलेस बजट पर कांग्रेस में एक राय नहीं है। आगे जानेंगे कि किस विधायक की डिजिटल बजट पर क्या राय है...

पहले विधानसभा अध्यक्ष की राय जान लेते हैं- विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा- पहली बार डिजिटल बजट आ रहा है। ये अपने आप में बड़ा नवाचार है। नए विज्ञान से जुड़कर हम ज्यादा और आसानी से जानकारी ले सकते हैं।

नेता प्रतिपक्ष बोले, ये तानाशाही तरीका, सिंह ने कहा- स्वागत योग्य- डिजिटल बजट पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा- मैं विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध करूंगा कि मप्र में एसटी, एससी, महिला, पिछड़े वर्ग के अधिकांश लोग हैं, इनको पूरी तरह से डिजिटल की जानकारी नहीं है। तानाशाही तरीके से जबरदस्ती बजट के लिखित पेपर न देकर डिजिटल बजट देने का मैं विरोध करूंगा।

दिग्विजय सिंह को दी बधाई- कांग्रेसी विधायक पीसी शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्जिवय सिंह के जन्मदिन पर बधाई दी। कांग्रेस विधायक हीरालाल अलावा ने कहा, आदिवासी क्षेत्रों में किसानों, महिलाओं और आदिवासियों के लिए कुछ नहीं किया गया। हमें उम्मीद थी कि राज्यपाल महोदय पांचवीं और छठवीं अनुसूची के बारे में बोलेंगे, लेकिन उन्होंने अपने अभिभाषण में कुछ नहीं बोला।

सदन ने दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दिन दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी गई। विधानसभा में दिवंगत सदस्य नरेंद्र प्रताप सिंह, जनकलाल ठाकुर, ओपी कोहली, सखा राम देवकरण, नंदा मंडलोई, राधेश्याम शर्मा, भागवत भाऊ नागपुरे, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव और शांतिभूषण को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह सहित विधानसभा अध्यक्ष और सदन में भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन का प्रश्न काल शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस विधायक झूमा सोलंकी ने उठाया। इसके पहले ही कांग्रेस के ही विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। सोलंकी ने पंचायत सचिव को 7वां वेतनमान, पंचायत विभाग में संविलियन और नियमितिकरण का मामला उठाया। बोलीं- मुझे जो जवाब मिला, वो पूर्ण नहीं है। प्रमुख मांग थी कि 7वां वेतनमान कब दिया जाएगा? वेतनमान की गणना 2008 से की जा रही है, जबकि नियुक्ति 1995 से है। जवाब में पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा- सचिव और रोजगार सहायकों के 7वें वेतनमान और नियमितीकरण के लिए कमेटी बनाई है। इसकी रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की जाएगी।

गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सिसोदिया, दोपहर बाद होगी सुनवाई

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में पांच दिन की सीबीआई रिमांड पर चल रहे दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। उनकी तरफ से वकीलों ने गिरफ्तारी के खिलाफ और सीबीआई के काम करने के तौर-तरीकों के खिलाफ याचिका दायर की है। माना जा रहा है कि मनीष सिसोदिया के वकील अदालत में मामले की सुनवाई

जल्द करने की अपील की। चीफ जस्टिस के सामने याचिका मेंशन हुई तो अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए आज दोपहर 3.50 बजे का समय दिया है।

इधर, सीबीआई ने सिसोदिया से पूछताछ शुरू कर दी है। इससे पहले शराब नीति मामले में रविवार को 8 घंटे की पूछताछ के बाद सीबीआई ने सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। सीबीआई ने कोर्ट से सिसोदिया की 5 दिन की रिमांड मांगी थी ,जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पांच दिन की सीबीआई हिरासत में

अदालत ने आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पांच दिन की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में सौप दिया। अदालत ने माना कि जांच के हित में रिमांड जरूरी है। वहीं सिसोदिया की और से कहा गया कि तत्कालीन उपराज्यपाल ने आबकारी नीति में बदलावों को मंजूरी दी थी, लेकिन सीबीआई निर्वाचित सरकार के पीछे पड़ी हुई है। राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष सिसोदिया को पेश करते हुए जांच अधिकारी ने उनसे जांच एवं पूछताछ के लिए पांच दिनों की हिरासत मांगी। अदालत ने सीबीआई की मांग को स्वीकार कर लिया और सिसोदिया को 4 मार्च तक के लिए सीबीआई की हिरासत में सौंप दिया।सीबीआई ने 2021-22 की आबकारी नीति (अब रद्द की जा चुकी) को लागू करने में कथित भ्रष्टाचार के मामले में रविवार शाम सिसोदिया को गिरफ्तार किया है।

विधानसभा में मामा से मिले बच्चे

विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बरगवां जिला डिंडोरी से भोपाल आए जनजातीय वर्ग के बच्चों ने विधानसभा में मुलाकात की और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

खड़े डंपर में घुसी बस, 12 घायल, 2 गंभीर

बनारस से बेंगलुरु लौट रही थी दर्शनार्थियों से भरी बस, ओवरटेक करते समय रीवा में हादसा

रीवा। रीवा में हा-30 पर दर्शनार्थियों से भरी बस खड़े डंपर में घुस गई। बस उत्तरप्रदेश के बनारस से कर्नाटक के बेंगलुरु लौट रही थी। हाईवे में बस चालक ने ओवरटेक किया, लेकिन नहीं निकल पाया। ऐसे में हाईवे के किनारे खड़े डंपर में बस पीछे से घुस गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना के समय 49 श्रद्धालु बस में सवार थे। 12 घायल हुए हैं। 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

तुरंत राहगीरों ने डायल 100 को सूचना दी। जानकारी के बाद पुलिस पहुंच गई। 4 एंबुलेंस की मदद से एक दर्जन घायलों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बड़ी दुर्घटना की सूचना मिलने पर कलेक्टर मनोज पुष्प और एसपी नवनीत भसीन मौके पर पहुंचे हैं। ये हादसा मनगवां हाईवे के नरेन्द्र मोटर्स के पास मंगलवार की सुबह 4.45 बजे हुआ है।

एसपी नवनीत भसीन ने बताया कि बस क्रमांक केए 51 डी 9359 में सवार 49 दर्शनार्थी दो दिन पहले बनारस स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर गए थे। धार्मिक यात्रा पूरी कर 28 फरवरी की सुबह रीवा, जबलपुर, नागपुर के रास्ते बेंगलुरु जाना था।

प्रदेश में 25 मार्च से 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा

सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के साथ मदरसों में भी होंगे एग्जाम

भोपाल। मध्यप्रदेश में 5वीं और 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षा 25 मार्च से शुरु होगी। 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा में 25 लाख से अधिक बच्चे शामिल होंगे। जिसमें 8 लाख से अधिक प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे है। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र धनराजू एस ने बताया कि शैक्षिणक सत्र 2022-23 में कक्षा 5वीं और 8वीं के बच्चों की बोर्ड पैटर्न परीक्षा 25 मार्च से शुरु हो रही है। 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा सभी सरकारी, सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूल, प्राइवेट स्कूलों और मदरसों में होगी।

सुबह-सुबह मणिपुर और मेघालय में भूकंप के झटके

तुरा। पूर्वोत्तर में मंगलवार अल-सुबह महज पांच घंटे के अंदर दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। जहां पहला झटका मणिपुर के आसपास महसूस हुआ, वहीं दूसरे झटके ने मेघालय के तुरा की जमीन को हिला दिया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, पूर्वोत्तर में पहला झटका मणिपुर के नोनी जिले में महसूस किया गया। यहां भूकंप की तीव्रता 3.2 रही और इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। भूकंप अल-सुबह 2.46 बजे आया और इसका केंद्र जमीन से 25 किमी नीचे था। मेघालय में सुबह करीब 6.57 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। एजेंसी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र राज्य के तुरा से 59 किमी उत्तर में था। इसकी गहराई जमीन से 29 किमी नीचे रही। इन झटकों में भी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

आर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया के ईडीके में विस्फोट, बिल्डिंग के परखच्चे उड़ गए

जबलपुर। आयुध निर्माणी खमरिया के एक्सप्लोसिव डिपो (ईडीके) में विस्फोट हो गया। करीब पौने तीन बजे रात में हुए इस विस्फोट में निर्माणी की एक बिल्डिंग के परखच्चे उड़ गए। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है, लेकिन करोड़ों का कच्चा माल जरूर स्वाहा हो गया। घटना के बाद से ही निर्माणी के आला अफसर मौके पर जमा रहे। घटनास्थल घने जंगल में रहा इसलिए आस-पास के अनेक पेड़ों में आग लग गई। फायर ब्रिगेड की दर्जन भर से ज्यादा गाड़ियां आग पर काबू पाने जूझती रहीं। खमरिया फैक्ट्री के एक्सप्लोसिव डिपो में टावर नंबर सात के पास पी-20 बिल्डिंग में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात हुई इस घटना में भयंकर विस्फोट के साथ आस-पास के जंगल में आग भड़क गई। विस्फोट की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनी गई। हादसे के तत्काल बाद से ही काफी देर तक निर्माणी के हूटर बजते रहे। खबर लगते ही तमाम अधिकारी फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंच गए। अन्य निर्माणियों से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलवा लिया गया। ओएफके के साथ ही वीएफजे, जीसीएफ, सीओडी और 506आर्मी बेस वर्कशाप की फायर ब्रिगेड आग बुझाने में जुटी रहीं।

आगर मालवा में सहकारी संस्था प्रबंधक पर लोकायुक्त की कार्रवाई

आगर मालवा। विजानगरी सहकारी साख संस्था के प्रबंधक मोहनलाल विश्वकर्मा द्वारा आय से अधिक संपत्ति एकत्रित करने की शिकायत लोकायुक्त को मिली थी। जिस पर विधिवत न्यायालय से आदेश प्राप्त कर आज विश्वकर्मा के ठिकानों पर लोकायुक्त द्वारा सर्वे की कार्रवाई की जा रही है। लोकायुक्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्वकर्मा की सर्वे कार्रवाई की जा रही है। आगर जिले के बढ़ोद थाना क्षेत्र के ग्राम गिरौली के तीन घर और आगरा में स्थित दो घरों में सर्वे किया जा रहा है।

नवीन औद्योगिक ईकाईयों को 3 साल तक लायसेंस लेने की छूट

सरकार ने नोटिफिकेशन किया जारी , फेडरेशन ने किया आभार व्यक्त

सांध्य प्रकाश विशेष संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के एमएसएम ई मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा कहते हैं कि पूरे देश ऐसा ऐतिहासिक निर्णय नहीं हुआ, जैसा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिया है। उन्होंने उद्योगों के हित में कदम उठाते हुए इज ऑफ डूईंग बिजनेस के अन्तर्गत नवीन औद्योगिक ईकाईयों को स्थापना के 3 साल तक किसी भी प्रकार के लायसेंस लेने से छूट प्रदान की है। यानि अब औद्योगिक ईकाइयों को स्थापना के प्रारंभ से लायसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी। तीन वर्ष की कालावधि के दौरान उन्हें किसी प्रकार की सरकारी प्रक्रिया से भी नहीं गुजरना होगा और ना ही कोई निरीक्षण के नाम पर परेशान करेगा।

सकलेचा कहते हैं कि राज्य में कोई डेढ़ हजार केवी अतिरिक्त बिजली का उत्पादन ही रहा है। इसलिए उद्योगों को बिजली की समस्या का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। उद्योग लगाने के तीन साल बाद छह माह का समय लायसेंस के लिए मिलेगा। सरकार के इस निर्णय से उद्योगों को कार्य करने में सुविधा होगी। यही नहीं तमाम उद्योग लगाने वाले यहां आयेंगे।

सकलेचा कहते हैं कि देश और प्रदेश में कारोबार करने और छोटे उद्योग लगाने का जबरदस्त माहौल बना है। हमे विश्वास है कि हम मध्य प्रदेश को न केवल आत्मनिर्भर और मजबूत बना सकेंगे, अपितु देश का अग्रणी राज्य बनानी सफल होंगे।

मध्यप्रदेश में उद्योग विभाग के द्वारा उद्योगपतियों के लिए एक नया लाभकारी नोटिफिकेशन जारी किया है जिसमें नए उद्योग पंजीकृत संस्थानों को तीन साल तक किसी भी तरह का नया लायसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी । इस निर्णय पर उद्योग संगठनों ने सरकार के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है। फेडरेशन की मांग पर उद्योग विभाग ने 27 जनवरी 2023 को प्रकाशित मध्यप्रदेश राजपत्र क्रमांक 34 के अनुसार उद्योगों के हित में कदम उठाते हुए इज ऑफ डूईंग बिजनेस के अन्तर्गत नवीन औद्योगिक ईकाईयों को स्थापना के 3 साल तक किसी भी प्रकार के लायसेंस लेने से छूट प्रदान की है। सरकार के इस निर्णय से नवीन औद्योगिक ईकाईयों को स्थापना के प्रारंभ से लायसेंस लेने के लिए परेशान नहीं होगा अर्थात् उपबंध (1) में निर्दिष्ट तीन वर्ष की कालावधि के दौरान कोई सक्षम प्राधिकारी किसी अनुमोदन के प्रयोजन से या उसके संबंध में कोई निरीक्षण नहीं करेगा और वह अपनी ईकाई को सुचारू रूप से प्रारंभ करने और उत्पादन कार्य में अपना समय लगा सकेगी।

मध्यप्रदेश में औद्योगिक इकाईयों की स्थापना एवं परिचालन करने के लिए विनिर्दिष्ट अनुमोदनों तथा निरीक्षणों से छूट अभिप्राप्त करने तथा उससे संसक्त तथा उसके आनुषंगिक विषयों के लिए उपबंध करने हेतु सरलीकरण अध्यादेश 2023 के अनुसार अब किसी भी नवीन स्थापित औद्योगिक इकाई को स्थापना से 3 साल तक किसी भी प्रकार के लायसेंस लेने की आवश्कता नहीं है।

फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. गोस्वामी ने मध्यप्रदेश शासन के इस निर्णय का स्वागत किया और सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से उद्योगों को कार्य करने में सुविधा होगी और वह अपनी संपूर्ण ऊर्जा से प्रदेश के औद्योगिक विकास में अपनी भागीदारी निभायेंगे।

मध्य प्रदेश के एमएसएम ई मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा कहते हैं कि पूरे देश ऐसा ऐतिहासिक निर्णय नहीं हुआ, जैसा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिया है। उन्होंने

उद्योगों के हित में कदम उठाते हुए इज ऑफ डूईंग बिजनेस के अन्तर्गत नवीन औद्योगिक ईकाईयों को स्थापना के 3 साल तक किसी भी प्रकार के लायसेंस लेने से छूट प्रदान की है। यानि अब औद्योगिक ईकाइयों को स्थापना के प्रारंभ से लायसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी। तीन वर्ष की कालावधि के दौरान उन्हें किसी प्रकार की सरकारी प्रक्रिया से भी नहीं गुजरना होगा और ना ही कोई निरीक्षण के नाम पर परेशान करेगा।

सरलीकरण अध्यादेश 2023 जिन विभागों से संबंधित अधिनियमों पर लागू होगा उनमें से कुछ निम्नलिखित है

- बॉयलर अधिनियम, 1923
- ठेका श्रमिक अधिनियम 1970
- कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948
- न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948
- समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976
- मध्यप्रदेश दुकान तथा स्थापना अधिनियम 1958
- मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961
- मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993
- मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता अधिनियम 1959
- विद्युत अधिनियम 2003
- पर्यावरण अधिनियम 1986

चार दिवसीय राजावीर विक्रमादित्य महोत्सव का भव्य समापन

उपनगर को विकसित करने की बनाई जाएगी योजना : कृष्णमोहन सोनी

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर में इस बार भी राजावीर विक्रमादित्य महोत्सव का चार दिवसीय आयोजन भव्य स्वरूप में मनाया गया। जहां इसका शुभारंभ विधायक रामेश्वर शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने किया था वहीं इसका समापन भोपाल विकास प्राधिकरण के नव नियुक्त अध्यक्ष कृष्णमोहन सोनी ने किया। महोत्सव में इस बार जाने माने विश्व प्रसिद्ध हास्य कलाकार एवं सिंधी भक्ति गीतों के रचियता परमानंद प्यासी व उनकी टीम के अलावा संज-रमेश एण्ड पार्टी और थांवरदास मोहन एण्ड पार्टी का सिंधी परम्परागत गीत संगीत व भगत का शानदार कार्यक्रम हुआ। कृष्णमोहन सोनी ने कहा कि संत हिरदाराम नगर को विकसित किए जाने की आवश्यकता है, जिस पर गंभीरता से विचार करके वृहद योजना प्राधिकरण की तरफ से बनाई जाएगी। सोनी ने कहा कि विश्रामघाट में वरिष्ठ समाजसेवी स्व. प्रेमचंद तेजवानी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर विक्रमादित्य महोत्सव समिति के अध्यक्ष किशोर तेजवानी, संरक्षक सुरेश जसवानी, प्रतापराय तेजवानी, महासचिव नारी तनवानी, जिला भाजपा उपाध्यक्ष राहुल राजपूत, किरणदेवी वाधवानी की विशेष उपस्थिति में आयोजित समापन समारोह में उपस्थित थे।

सीहोर रोड दिशा में हो विकासः किशोर तेजवानी

इस मौके पर अध्यक्ष किशोर तेजवानी ने कृष्णमोहन सोनी से सीहोर रोड पर दाहिनी दिशा की तरफ जमीनों को व्यवसायिक एवं आवासीय घोषित करने की मांग की। ताकि उस दिशा में आवासों एवं कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। इसके अलावा वनट्रीहिल्स क्षेत्र में भव्य झूलेलाल मंदिर निर्माण हेतु एक एकड़ जमीन उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। इस मौके पर विक्रमादित्य महोत्सव समिति के संरक्षक सुरेश जसवानी ने बीडीए अध्यक्ष के समक्ष यहां के पुराने बस स्टेण्ड जो वर्तमान में अवैध पार्किंग स्थल में तब्दील हो गया है, वहां आलीशान शापिंग पार्किंग काम्पलेक्स बनाने की मांग रखी ताकि पार्किंग की समस्या से निजात मिल सके।

ग्रामीण क्षेत्र के पुराने स्कूल भवनों की होगी मरम्मत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिला पंचायत शिक्षा समिति की बैठक मोहन सिंह जाट उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष शिक्षा समिति की उपस्थिति में जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक के बिंदुओं को रखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना ने अध्यक्ष से बैठक की अनुमति लेते हुए शुरू की। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि भोपाल जिले के स्कूल भवन जो जंजर हालत या क्षतिग्रस्त हालत में है उन 64 स्कूल भवनों की मरम्मत कार्य हेतु एक लाख से 300000 तक की राशि स्कूल के प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक तक पहुंचा दी गई है वहां इसका निर्माण कार्य इंजीनियर के द्वारा कराया जाएगा। शिक्षा विभाग के द्वारा छठवीं क्लास के 12 सो एवं नौवीं क्लास के 3220 पात्र छात्र छात्राओं को साइकिल खरीदने के लिए ?4000 की राशि दी गई है छात्र छात्राओं के द्वारा साइकिल खरीदी जा रही हैं। उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने ग्रामीण क्षेत्र बेरसिया के स्कूलों में हाल ही में किए गए निरीक्षण में पाई गई शिकायतों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी से जानकारी लेते हुए लापरवाह शिक्षकों पर कार्रवाई की जानकारी ली। बेरसिया बीआरसी रामकिशन गुर्जर ने समिति के सदस्य के समक्ष कार्रवाई का विवरण रखा। सदस्य विक्रम भालेश्वर ने ग्राम पंचायत भमोरा के प्राथमिक शाला भवन एवं ग्राम शुक्ला के प्राथमिक शाला स्कूल भवन की मरम्मत कार्य कराने की मांग रखी। जिला शिक्षा अधिकारी ने तत्काल बीआरसी को निर्देश देते हुए कहा कि जाकर स्कूल भवन की जानकारी तत्काल दें। सदस्य चंद्रेश सुरेश राजपूत ने ग्राम पंचायत पड़रिया जाट के गांव बावडिया खुर्द के प्राथमिक शाला एवं महाबाडिया कला पंचायत के के स्कूल भवन की मरम्मत कार कराने की मांग की। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना से कहा कि साहब

छात्र-छात्राओं को मिलेंगी साइकिल, शिक्षा समिति की बैठक में सदस्यों ने डीईओ से कहां साहब आप ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों का करें दौरा, सुधरेगी शिक्षा व्यवस्था

आप ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों का दौरा कर निरीक्षण करें आपके दौरा करने से शिक्षा में सुधार होगा लापरवाह टीचरों पर नकेल कसी जाएगी। सभी सदस्यों ने इसका समर्थन किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने समिति को भरोसा दिलाया की स्कूलों में परीक्षाएं शुरू हो रही हैं सभी गंभीरता से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं लेकिन मैं ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों का भ्रमण करूंगा लापरवाह शिक्षकों पर उचित कार्रवाई करूंगा। बैठक में डीपीसी डॉक्टर सीमा गुप्ता भोपाल जिले के चारों बीआरसी फंदा रविंद्र जैन, बेरसिया रामकिशन गुर्जर, प्रमोद सिंह परिहार, राजीव यादव, विनोद गुप्ता, इंजीनियर नरेश हथ बारिया एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए पंजीयन अब 5 मार्च तक

भोपाल । जिले में रबी विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए पंजीयन अब 5 मार्च तक होगा। पहले 28 फरवरी तक किया जाना था। जिला आपूर्ति अधिकारी मालाकार ने बताया कि गेहूं विक्रय करने के लिए किसानों का पंजीयन स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, ग्राम पंचायतों के सुविधा केन्द्र, सहकारी समिति, महिला स्व-सहायता समूह, एफपीओ, एफपीसी केन्द्रों पर निःशुल्क पंजीयन किया जा रहा है।

नगर निगम कर वसूली में जोन 13 को मिला अच्छा रिस्पांस

भोपाल। नगर निगम के सभी वार्डों में संपत्ति कर सहित विभिन्न करों की वसूली के लिए सिविल लगाए गए थे नागरिकों की सुविधा को देखते हुए हर वार्ड में दो शिविर लगाए गए थे ताकि जनता को कर जमा करने दूर ना जाना पड़े जॉन 13 में नगर निगम की इस कर वसूली कार्यवाही को अच्छा रिस्पांस मिला नगर निगम को सभी बालों में 40 रसीद काटने का लक्ष्य दिया गया था जोन 13 के वार्ड 53 में वार्ड प्रभारी राजेश शर्मा के के द्वारा लक्ष्य से अधिक 72 टैक्स रसीद एकत्र की गई वार्ड स्थित निखिल बंगलुरु में नगर निगम कमिश्नर केवीएस चौधरी द्वारा स्वयं भी निरीक्षण किया गया जोन अधिकारी नीलेश श्रीवास्तव ने बताया कि जोन स्थित सभी 4 वार्ड में लक्ष्य से अधिक टैक्स हासिल किया गया है सभी वार्डों में दो शिविर लगाए गए थे जिससे नागरिकों को टैक्स जमा करने में आसानी हो साथ ही नगर निगम कमिश्नर द्वारा मकान में रह रहज

10वां इंटर कॉलेज एवं कॉरपोरेट टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता

भोपाल। खेल संस्कार ग्रुप द्वारा आयोजित 10वा इंटर कॉलेज एवं कॉरपोरेट टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन 1 मार्च दिन बुधवार को सुबह 10 बजे भोपाल शहर के स्थानीय एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल मैदान पर किया जाएगा। आयोजन सचिव सागर रायकवार ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता के प्रारंभिक मुकाबले एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल एवं बाकी के मैचेज 15 मार्च से बाबे अली मैदान पर खेले जायेंगे। 1 लाख रुपए के पुरुस्कारो वाली इस प्रतियोगिता में कॉलेज ग्रुप से 16 टीम ओरिएंटल,एलएनसीटी, जागरण,आईईएस, यूआईटी आर जीपीवी मध्यांचल, एसएटीआई विदिशा, बीएसएसएस, सेज कैरियर,सेक्ट,ट्रूबा,युआईटी आरजीपीवी, आईपर, बंसल, कॉलेज की टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट आधार पर टी20 फार्मेट में खेली जाएगी जबकि प्रतियोगिता के कॉरपोरेट ग्रुप में भी 12 टीमें भाग ले रही है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर होंगे कार्यक्रम

भोपाल। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य कार्यक्रम मेपकॉस्ट परिसर में 28 फरवरी को दोपहर 2 बजे से होगा। कार्यक्रम में एम्प्री के निदेशक डॉ. अवनीश श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय तिवारी, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रवीण रामदास शामिल होंगे। अध्यक्षता परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी करेंगे। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद मेपकॉस्ट द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम नेहरू नगर स्थित विज्ञान भवन में किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान है।

हरिशंकर परसाई की कहानी मखमल की म्यान पर दी प्रस्तुति

एकल नाट्य समारोह सोलो सागा का दूसरा दिन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आर्ट लोक स्टूडियोज ऑफ रियलिस्टिक विजुलाइजेशन द्वारा एकल नाट्य समारोह सोलो सागा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके दूसरे दिन हरिशंकर परसाई की कहानी मखमल की म्यान पर सोलो थियेटर प्रस्तुति दी गई। आर्ट लोक स्टूडियो एक प्रोफेशनल संस्था है जो प्रायोगिक नाट्य परफोर्मिंग कलाओं के दृष्टिकोण से पारंपरिक नाट्य शैली के साथ आधुनिक कला विधियों का समावेश करके एक नई शैली को तलाशने एवं गढ़ने की और अग्रसर है। आशुतोष द्विवेदी का सशक्त अभिनय दर्शको को बांधे रखने मे सफल रहा। उन्होंने नाट्यकला का अद्भुत मंचन करते हुए परसाई की व्यंग्य रचना मखमल की म्यान को सजीव कर दिया।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विश्वविद्यालय के निदेशक मनोज नायर ने नटराज की मूर्ती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। नाटक का निर्देशन संतोष राजपूत ने किया। राजश्री त्रिवेदी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। आर्ट लोक स्टुडियों के अध्यक्ष अपूर्व दत्त मिश्रा ने कहा कि हिंदी के प्रसिद्ध लेखक और व्यंगकार हरिशंकर परसाई की कहानियों पर आधारित सोलो थियेटर परफॉर्मेंस का आयोजन पद्मश्री गुलवर्धन, शांति बर्धन एवं के. जी. त्रिवेदी जी की स्मृति में आयोजित किया गया। आज इस सोलो थियेटर फेस्टीवल के का समापन है लेकिन ये नये प्रयोग की और हमारा पहला कदम था और हम नये रास्ते खोजने व नया करने के लिए निरन्तर अग्रसर रहेंगे । हम सभी को आप दर्शको का धन्यवाद करते है और उम्मीद करते है कि आपका स्नेह हमे आगे भी मिलता रहेगा। नाटक के बाद निर्देशक, कलाकार, अतिथि मनोज नायर एवं दर्शकों कि बीच एक वार्तालाप सत्र रखा गया जिसमे नाटक को देखने के पश्चात दर्शको की जिज्ञासा को संतुष्ट करने का प्रयास किया गया।

उत्तर विधानसभा में कई विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण हुआ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विकास यात्रा के क्रम में सोमवार को उत्तर विधानसभा क्षेत्र के जोन क्रमांक 02 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 7 एवं 10 में विभिन्न विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन एवं जनसुविधाओं का लोकार्पण पूर्व महापौरआलोक शर्मा ने महापौर परिषद के सदस्य मनोज राठौर जोन क्रमांक 2 की अध्यक्ष विनीता सोनी सहित पार्षदगण सरोज आसेरी, शैलेष साहू की उपस्थिति में किया साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये गये। इस अवसर पर भोपाल विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष कृष्ण मोहन सोनी के अलावा महेन्द्र यादव राकेश कुकरेजा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। विकास यात्रा के तहत उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सड़कों के सीमेंट कांक्रीटीकरण व डामरीकरण, सिविल डिस्पेंसरी उन्नयन कार्य, संजीवनी क्लीनिक निर्माण, नाली निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन किया गया जिस पर लगभग 2 करोड़ 74 लाख रूपये से अधिक की राशि व्यय की जायेगी। इसके अतिरिक्त नेवरी मंदिर बीडीए कालोनी क्षेत्र में सीमेंट कांक्रीटीकरण सड़क का लोकार्पण भी किया गया। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत 80 हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किये गये।

विश्व एनजीओ दिवस पर बच्चों को खिलौने वितरण किए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व एनजीओ दिवस के अवसर पर शमां फैंस क्लब वेलफेयर सोसाइटी एनजीओ द्वारा आंगनवाडी के करीब 100 बच्चों को खेल खिलौने वितरित किए गए इस अवसर पर मुख्य अतिथि सबधाणी कोचिंग इंस्टिट्यूट के आनंद सबधाणी एवं रोटरी क्लब के सदस्य उपस्थित रहे शमा एनजीओ के संचालक फैज उल हक ने बताया कि खेल खिलौने वितरण करने का मुख्य उद्देश्य है रहा कि छोटे-छोटे बच्चों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता हो एवं उन्हें अच्छे कार्य करने की प्रेरणा मिले बच्चों का मनोरंजक और मनोबल बढ़ाते हुए पढ़ाई के प्रति प्रेरित करते हुए भारतीय जीवन बीना निगम व अन्य संस्थओं के सहयोग से खेल खिलौने वितरण किये गए। कार्यक्रम में सोसायटी अध्यक्ष इकराम उल हक, निलोफर खान, जगदीश रेयकवार, अली खान मज़हर अली, अमजद खान, जावेद खान, कलीम अख्तर, आगनवाड़ी के बच्चे सहित कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित रहे।

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की मैराथन में बड़ी संख्या में शामिल हुए प्रतिभागी

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के सहयोग से रविवार को पंख एमपी हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की ओर से बड़ी संख्या में प्रतिभागिता करते हुए 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और रविवार को टीटी नगर स्टेडियम से रोशनपुरा चौराहा, मिंटो हॉल होते हुए खानू गांव तक पहुंची, वहां से वापस होकर टीटी नगर स्टेडियम पर खत्म हुई। इसमें आरएनटीयू के प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह से हिस्सा लिया और हाफ मैराथन को पूरा किया। हाफ मैराथन के अलावा प्रतिभागियों के लिए दो अन्य कैटेगरीज भी रखी गई थी। इसमें 10 किमी की ओपन कैटेगरी और 6 किमी की रन फॉर फन कैटेगरी शामिल रही। इस पहल पर बात करते हुए रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की प्रो. चांसलर अदिति चतुर्वेदी ने कहा कि अपने एम्पलॉइज को हेल्थ के प्रति जागरुक बनाने आरएनटीयू कई प्रयास करता है। इसी कड़ी में हाफ मैराथन भी एक कदम है। आरएनटीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विजय सिंह ने कहा कि इस हाफ मैराथन से एकत्रित होने वाली राशि बच्चों के वेलफेयर चैरिटी में दी जानी है।

उत्कृष्ट काम करने वाले समाजसेवियों एवं मेधावी छात्रों का सम्मान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के तत्वधान में उत्कृष्ट समाजसेवियों एवं मेधावी छात्रों का सम्मान गांधी भवन भोपाल में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर अखिल भारतीय ओबीसी महासभा ओबीसी एसटी एससी संयुक्त मोर्चा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट तुलसीराम पटेल जी को भी महात्मा ज्योतिबा राव फूले जी सम्मान समारोह से सम्मानित किये गये, एडवोकेट तुलसीराम पटेल जी लगातार ओबीसी एसटी एससी समाज के हक और अधिकार के लिए शासन प्रशासन से लड़ाई लड़ते आ रहे हैं। अधिकारी एवं कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह एवं अधिवेशन के अवसर पर राज्य शासन द्वारा घोषित अन्य पिछड़े वर्ग के उत्कृष्ट समाजसेवियों को महात्मा ज्योतिबा फुले सम्मान एवं महिला जगत में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सावित्रीबाई फुले सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर वर्ष 2020 एवं 2021-22 में बोर्ड परीक्षाओं में कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं में 80त्न अंक से उत्तीर्ण अन्य पिछड़े वर्ग के मेधावी छात्रों को प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया एंव इसी अवसर पर संघ की स्मारिका प्रकाशित भी की गई स्मारिका में अन्य पिछड़े वर्ग के उत्थान में सहायक आलेख, रचनाएं, सम्मानित विभूतियों का जीवन परिचय शासन द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए जारी शासनादेश ,कल्याणकारी योजनाओं का संग्रह प्रकाशित किया गया

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री माननीय डॉ मोहन सिंह यादव जी उच्च शिक्षा मंत्री मध्य प्रदेश शासन माननीय विशिष्ट अतिथि माननीय जीपी माली जी पूर्व डिप्टी कलेक्टर भोपाल माननीय महेंद्र सिंह पूर्व एसडीएम सागर ओबीसी ललित कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के पी पटेल राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय ओबीसी महासभा वरुण प्रताप सिंह युवा मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय ओबीसी महासभा जी डी पटेल व्यापार मोर्चा अध्यक्ष सेना मोर्चा के अध्यक्ष गब्बर सिंह मीना जितेंद्र साहू प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ छोटेलाल पटेल जी सुनील कुमार एवं मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश संभागीय जिला स्तर के सभी पदाधिकारी गण की गरिमामई में कार्यक्रम संपन्न हुआ। पटेल को महात्मा ज्योतिबा राव फुले सम्मान समारोह से सम्मानित किया गया जिस पर अखिल भारतीय ओबीसी महासभा परिवार खुशी और हर्ष का उल्लास है।

मानसून शुरू होने के पहले पूर्ण कर लें अमृत सरोवरों का निर्माण: शिवराज सिंह

2657 अमृत सरोवर बनाकर मप्र पहुंचा देश में दूसरे क्रम पर

प्रत्येक जिले में 75-75 अमृत सरोवर बनाने के लक्ष्य को पाने कई विभाग समन्वय से कर रहे कार्य

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में मिशन अमृत सरोवर के क्रियान्वयन को निरंतर सफलता मिल रही है। प्रत्येक जिले में 75-75 अमृत सरोवर बनाने के लक्ष्य को पाने के लिए विभिन्न विभाग समन्वय से कार्य कर रहे हैं। जन-प्रतिनिधि और नागरिक भी सरोवर निर्माण में सहयोगी बने हैं। मुख्यमंत्री चौहान आज समत्व भवन में अमृत सरोवर निर्माण की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बताया गया कि मध्यप्रदेश अमृत सरोवर के पूर्ण कार्यों की संख्या के आधार पर देश में द्वितीय स्थान पर है। प्रदेश में 2,657 अमृत सरोवर बन चुके हैं। इस वर्ष 5,372 अमृत सरोवर निर्माण का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री चौहान ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पंचायत से एक ऐसे व्यक्ति को अमृत सरोवर निर्माण से अवश्य जोड़ा जाए, जिसकी जल-संरक्षण में रूचि हो। इसी तरह उपयोगकर्ता समूहों को बनाने और उनकी संख्या बढ़ाने के प्रयास भी किए जाएं। मानसून प्रारंभ होने के पहले सभी अमृत सरोवर बन कर तैयार हो जाएँ, यह लक्ष्य रखें। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का स्वप्न है कि मिशन अमृत सरोवर से जल-संग्रहण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हो, सामुदायिक गतिविधियाँ बढ़े, विद्यार्थियों में जल-संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़े और अमृत सरोवर जन-भागीदारी का उदाहरण बन जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की इसी भावना के अनुरूप मध्यप्रदेश में कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की उपलब्धियाँ गर्व करने योग्य हैं। यह भी प्रयास किया जाए कि अमृत सरोवर पिकनिक स्थल के रूप में विकसित हों। सौन्दर्यीकरण के कार्यों को भी शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। मिशन संबंधी प्रेजेंटेशन में बताया कि मध्यप्रदेश में 5372 अमृत सरोवर के निर्माण कार्य प्रारंभ हुए, जिनमें से 2657 पूर्ण हो गए हैं। अमृत सरोवर निर्माण के लिए मध्यप्रदेश में योजना में केवल नवीन कार्य ही लिए गए और अंतर्विभागीय समन्वय पर भी जोर दिया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ जल-संसाधन, वन, मत्स्य-विकास सहित नेशनल हाइ-वे अथारिटी एवं रेलवे जैसे संस्थान सहयोगी बने हैं। वित्तीय स्त्रोत के रूप में मनरेगा, वॉटर शेड विकास, 15वें वित्त आयोग और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की राशि का उपयोग किया गया। जन-सहभागिता से कार्य आसान हुए हैं। अमृत सरोवर निर्माण में जो जिले आगे हैं, उनमें छिंदवाड़ा, मुरैना, बैतूल, मंदसौर और बुरहानपुर शामिल हैं।

शहीदों को समर्पित हैं सरोवर, सिंघाड़ा और मत्स्य-उत्पादन का हो रहा कार्य: अमृत सरोवरों पर 3 हजार 955 फ्लैग पोस्ट बनी हैं, जहाँ स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर ध्वज फहराने का कार्य भी हुआ है। यही नहीं सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए अनेक स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों के नाम 63 अमृत सरोवर समर्पित किए गए हैं। इसी तरह ऐतिहासिक महत्व के 116 स्थान के निकट सरोवर बनाए गए हैं। प्रदेश में धार्मिक महत्व के 231 स्थान के निकट और जैव विविधता-संरक्षण की दृष्टि से 342 अमृत सरोवर निर्मित हुए हैं। बहुउद्देशीय आर्थिक लाभ के लिए भी सरोवर चिन्हित किए गए हैं। मत्स्य-उत्पादन में 2409, सिंघाड़ा उत्पादन में 1505 और पर्यटन के उद्देश्य से 199 सरोवर का उपयोग किया जा रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय श्रीवास्तव और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी पदों की भर्तियों में ट्रांसजेंडर को बराबरी का हक ऐतिहासिक निर्णय: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के लगभग डेढ़ हजार ट्रांसजेंडर रोजगार में समान अवसरों का लाभ प्राप्त करेंगे। इसके लिए संबंधित विभागों जैसे सामाजिक न्याय विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विभागों को नवीन प्रावधानों से अवगत करवाया गया है। इसके लिए मध्यप्रदेश में ट्रांसजेंडर (अधिकारों के संरक्षण) नियम 2021 के नियम 12 में %रोजगार में समान अवसर% के उपनियम (1) में बराबरी का मौका देने का जिक्र किया गया है। अब प्रदेश में सरकारी पदों की भर्तियों में ट्रांसजेंडर भी सामान्य पुरूष और महिला के साथ बराबरी के हकदार होंगे। यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। देश में चुनिंदा राज्यों में ही ऐसी व्यवस्था है। मुख्यमंत्री चौहान आज श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पौध-रोपण के बाद टी.वी. चैनल्स प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने छतरपुर जिले के लूलगंवा गाँव में चार साल की बिटिया नैन्सी के बोरवेल में गिर जाने के बाद प्रशासन और स्थानीय निवासियों द्वारा की गई सक्रिय कार्यवाही की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोरवेल में गिरी बिटिया को सकुशल निकालने का यह अब तक सबसे तीव्र गति से संचालित अभियान था, जिसमें तकनीक का सदुपयोग किया गया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि छतरपुर के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और ग्रामवासी लाड़ली लक्ष्मी बिटिया की जीवन रक्षा के लिए बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि बिटिया पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने कल रात्रि नैन्सी की माताजी से भी दूरभाष पर चर्चा कर उसके स्वास्थ्य का हाल-चाल प्राप्त किया। मुख्यमंत्री चौहान ने भोपाल की दो सेवानिवृत्त शिक्षिका, 71 वर्ष की चित्रा राशिनकर जी और 68 वर्ष की रेखा शर्मा द्वारा नैतिक कक्षाओं के संचालन को प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को नैतिक शिक्षा देना आवश्यक है। दोनों शिक्षिका संस्कार कक्षाएँ संचालित कर भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलु की जानकारी बच्चों को निःशुल्क प्रदान कर रही हैं। दोनों शिक्षिका का यह कार्य प्रेरणादायी है।

विकास यात्रा में 38 हजार से अधिक विकास कार्य लोकार्पित: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में सम्पन्न विकास यात्राएँ जन-कल्याण का यज्ञ बनी हैं। प्रदेश में 5 से 26 फरवरी की अवधि में हुई विकास यात्राओं में 38 हजार 506 विकास कार्यों के लोकार्पण हुए हैं। लोकार्पित कार्यों की लागत 10 हजार करोड़ रूपए है। मुख्यमंत्री चौहान ने बताया कि विकास यात्राओं में 29 हजार 155 विकास कार्यों के भूमि-पूजन भी किए गए। सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में विकास यात्राएँ निकली। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यात्रा में सहभागी सभी जन-प्रतिनिधि, नागरिक, अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। विकास यात्रा में 09 लाख 12 हजार 819 आवेदन-पत्र जनता की ओर से प्राप्त हुए, जिनमें से 85 प्रतिशत से अधिक 7 लाख 81 हजार 414 आवेदनों का निराकरण भी हो गया।

अंतरर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन 3 मार्च को, राष्ट्रपति करेंगी उद्‌घाटन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सांची बोद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और इंडिया फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित त्वां अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। नए युग मानववाद का सिद्धांत पर केंद्रित यह सम्मेलन 3 से 5 मार्च 2023 तक कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार, भोपाल में होगा। इस सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिनांक 3 मार्च 2023 को दोपहर 12 बजे किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर एवं सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता शामिल होंगे। धर्म-धम्म के वैश्विव विचारों को एक मंच प्रदान करने वाले इस सम्मेलन में 15 देशों से 350 से अधिक विद्वान शामिल हो रहे हैं। इस बार भूटान, मंगोलिया, श्रीलंका, इंडोनेशिया, थाइलैंड, वियतनाम, नेपाल, दक्षिण कोरिया, मॉरिशस, रूस, स्पेन, फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन से सम्मेलन में सहभागिता है। तीन दिन में 4 मुख्य सत्रों में 25 विद्वान अपने अपने विषय का निरुपण करेंगे। इसी दौरान 15 समानांतर सत्र भी होंगे जिनमें सम्मलेन की थीम नए युग में मानववाद का सिद्धांत पर केंद्रित 115 शोधपत्र पढ़े जाएंगे। इस बार के सम्मलेन में एक अनूठा मंत्री सत्र भी होगा जिसमें 5 देशों के मंत्री सांस्कृतिक सामंजस्य और विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इस सत्र में भूटान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, नेपाल और भारत के मंत्री शामिल होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर की प्रस्तुति की जाएगी। इस दौरान जनजातीय नृत्य का आयोजन होगा। देश विदेश में प्रसिद्धि पा चुके मध्य प्रदेश की धूलिया जनजाति के गुदुंग बाजा का भी प्रदर्शन इस दौरान होगा। मां नर्मदा को समर्पित लोकगीतों की प्रस्तुति भी इस दौरान की जाएगी।

जिला पंचायत सीईओ ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

भोपाल। मनरेगा योजनांतर्गत स्वीकृत अमृत सरोवर के कार्य 15 अगस्त से पहले पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें और पूर्ण न होने की स्थिति में उपयंत्री तथा सम्बन्धित ग्राम पंचायत सचिव के विरूद्ध सख्त कार्यवाही जाएगी । मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋतुराज ने यह निर्देश सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जनपद पंचायत, फंदा की विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के विरूद्ध सख्ती बरतते हुए प्राथमिकता के आधार पर मनरेगा तथा स्वच्छ भारत मिशन योजना के कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए । आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण के दृष्टिगत सभी पंचायत सचिवों को गांवों से डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन सुनिश्चित किये जाने तथा उसे क्लस्टर सेग्रीगेशन शेड के माध्यम से एम.आर.एफ. सेन्टर भेजने के साथ-साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने पहली बार फल-सब्जियों के नमूने लिए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खाद्य सुरक्षा विभाग के मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेक्टर अविनाश लवानिया के निर्देशानुसार अभिहित अधिकारी डी के वर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा अन्य खाद्य पदार्थों के साथ फल तथा सब्जियों के नमूने लिये गये हैं। प्रदेश में पहली बार फल-सब्जियों में सामान्य परीक्षणों के साथ पेस्टिसाइड का टेस्ट भी किया जायेगा ।

फल सब्जियों के नमूनों में न्यू मार्केट से मौसंबी एवं अनार, बिट्टन मार्केट से फूल गोभी, पत्ता गोभी, कंदूरी, लौकी, मैथी, शिमला मिर्च, भिंडी, शॉवर फरूट, एप्पल, एप्पल बेर, करेला, परवल, बबबुगोसा, सन्तरे, खरबूजा तथा अँगूर शामिल है। इसके अतिरिक्त निजामुद्दीन रोड, भोपाल से पिस्ता बर्फी, गुलाबजामुन, बेसन लड्डू, रतलामी एवं लौंग सेव इंद्रपुरी, भोपाल से शक्कर, मूंग दाल, खमण मिक्स, नमकीन, कूकीज तथा पेस्ट्री के नमूने लिये गये हैं। नमूनों का जांच राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल से होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी । होली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुये बाजार में नमूना कार्यवाही तेज़ करने के निर्देश अभिहित अधिकारी द्वारा दिये गये हैं।

नई शिक्षा नीति में युवाओं को रोजगार के साथ स्व-रोजगार के भी भरपूर अवसर मिलेंगे: यादव

उच्च शिक्षा मंत्री ने शिक्षा नीति और युवा नीति संबंधी विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का किया समाधान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नवीन शिक्षा नीति से अब शिक्षा कर्मकांड नहीं बल्कि सच्चे अर्थों में युवाओं के जीवन को सार्थक बनाने में सहायक होगी। युवा उन्नति के पथ पर अग्रसर होकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनेंगे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव सोमवार को नर्मदापुरम जिले के नर्मदा महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं मध्यप्रदेश युवा नीति के एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा नीति और युवा नीति से अब प्रदेश का युवा वर्ग प्राथमिक शिक्षा के दौरान ही अपने लक्ष्य निर्धारित कर अपनी रूचि के क्षेत्र में आगे बढ़ सकेगा। अब स्नातक की डिग्री कर्मकांड नहीं बल्कि उपयोगी शिक्षा को आत्मसात करने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति को लेकर प्रदेश के सभी संभागों में सेमिनार किए जा रहे हैं। इससे विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर शिक्षा नीति की उपयोगिता के बारे में जानकारी और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करने का कार्य किया जा रहा है। ऐसी कार्यशाला जिला स्तर और महाविद्यालय स्तर पर भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय ज्ञान यज्ञ की भूमिका अदा करें। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता में अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर क्रांतिकारियों के जीवन संघर्ष और बलिदान को समाहित करते हुए पाठ्यक्रम बच्चों को पढ़ाया जाएगा। इससे बच्चे वीर महापुरुषों के क्रांतिकारी इतिहास को पढ़ कर प्रेरित हो सकेंगे।

बच्चों से किया संवाद: कार्यशाला में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने बच्चों से वन-टू-वन चर्चा कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। छात्र हर्ष वर्मा ने पूछा कि ग्रामीण शिक्षा को मजबूत बनाने में नई शिक्षा नीति कैसे सहायक होगी। उत्तर में मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नई शिक्षा नीति में उम्र की कोई बाधा नहीं होगी। किसान, वृद्धजन, सभी शिक्षित हो सकेंगे। ओपन यूनिवर्सिटी की तर्ज पर भोज और इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी जैसी संस्थाओं से ड्रॉप लिए विद्यार्थी भी अपनी शिक्षा पूरी कर सकेंगे। अब विद्यार्थी एक साथ दो कोर्स में भी डिग्री कर पाएंगे। उत्तीर्ण होने के लिए नंबर सिस्टम की जगह क्रेडिट सिस्टम लागू होगा। अब व्यक्ति किसी भी उम्र में और किसी भी कोने से अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेगा। परिवेश बाधा नहीं बनेगा। छात्र प्रेमलता सैनी ने पूछा कि शिक्षा नीति रोजगार और प्रशिक्षण के क्षेत्र में कैसे लाभकारी होगी। मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नई शिक्षा नीति में रोजगार के साथ युवाओं को स्व-रोजगार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध होंगे। छात्र पूजा गोस्वामी ने पूछा कि जो निर्धन छात्र पुस्तकों के अभाव में अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं उसके लिए शिक्षा नीति में नया क्या है। मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आज ऐसा कोई भी छात्र नहीं है जिसके पास सर्व सुलभ पुस्तक की उपलब्धता न हो। साथ ही डिजिटल लर्निंग के लिए शिक्षा पोर्टल जैसे अन्य कई प्लेटफार्म निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश ही नहीं देश के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है। छात्र अंशिका गुप्ता ने पूछा कि आज यूपीएससी, एमपीपीएससी आदि प्रतियोगी परिक्षाओं में सफल होने के लिए कोचिंग क्लासेज की महती आवश्यकता है। किंतु आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी इस प्रकार की कोचिंग क्लासेस करने में असमर्थ है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए क्या व्यवस्था की गई हैं। उत्तर में मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सभी विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए निःशुल्क कोचिंग क्लासेज संचालित की जाएगी।

डॉ. यादव ने नई शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर केंद्रित पुस्तिका नई शिक्षा नई उड़ान का विमोचन किया। उन्होंने 40 से अधिक विषयों के 1600 से अधिक कंटेंट पर केंद्रित ई-शिक्षा पोर्टल का उद्घाटन भी किया। साथ ही उन्होंने हिंदी साहित्य पर केंद्रित विभिन्न पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। मंत्री डॉ. यादव ने खेल, एनसीसी, एनएसएस एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया।

मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 565 मैच खेले, फायनल मुकाबला आज

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ की लगातार लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। स्टेडियम में दर्शकों की भीड़ तथा उनके स्नेह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सोमवार को जैसीनगर मंडल में 1 क्वाटर फाईनल तथा 2 सेमीफाईनल मैच खेले गये जिसमें 06 टीमों ने हिस्सा लिया। मंडल में 10 ओवर के 3 मैच खेले गये। गौरतलब है कि मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 565 मैच खेले जा चुके हैं। मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ में जैसीनगर मंडल में फाईनल मैच आज खेला जायेगा जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत क्रिकेट महाकुंभ के आयोजक आकाश सिंह राजपूत तथा अन्य अतिथि इस रोचक मुकाबले में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिये उपस्थित रहेंगे।

सोमवार को जैसीनगर के पहला क्वाटर फाईनल मैच खेला गया जिसमें टीम बंजरिया ने टीम यंगस्टार बांसा को हराया प्लेयर आफ द मैच अनूप दुबे रहे। दूसरे सेमीफाईनल मैच में टीम सेमरागोपालमन ने टीम ठाकुर बाबा सेवन को हराया प्लेयर आफ द मैच अनुज सोनी रहे। तीसरे मैच में टीम बंजरिया ने टीम चौकी को हराया प्लेयर आफ द मैच सुगम रहे। टूर्नामेंट के प्रभारी जोंटी मनोज शुक्ला, विक्रम राजपूत सहित एम्पायरों के सफल दिशा निर्देश एवं निर्देशन में जैसीनगर मंडल में आज फाईनल मुकाबला आयोजित किया जायेगा।

दर्शकों से भरे स्टेडियम में खिलाड़ियों का खूब उत्साह वर्धन हुआ। खिलाड़ियों के चोके छक्कों का स्वागत क्षेत्रवासियों ने तालियां बजाकर किया। इस अवसर पर शैलेन्द्र सिंह राजपूत, साहब सिंह सेमरा, लखन ठाकुर, देवेन्द्र सोनी, राजकुमार सेन, बाबूराम कुर्मी, भीकमसींग, दिलीप, निरंजन राजपूत सहित सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने स्टेडियम पहुंचकर मंत्री ट्रॉफी के तहत चल रहे क्रिकेट महाकुंभ का आनंद लिया।

पुलिस का सेवाभाव देश में प्रदेश को दिलाएगा गौरव: गृह मंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि मध्यप्रदेश पुलिस ने दिन और रात जनता की सेवा में तत्पर रहते हुए मिसाल कायम की है। पुलिस का यही सेवा भाव देश में प्रदेश को गौरव दिलाएगा। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा नव-निर्मित पुलिस आवास गृहों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने सोमवार को रूस्तम जी आवासीय परिसर फेस-2 में 20 करोड़ 43 लाख रूपये की लागत से नव-निर्मित बहुमंजिला भवन में 96 पुलिस आवास गृहों का लोकार्पण कर अवलोकन भी किया। इनमें 24 आवास अराजपत्रित अधिकारियों और 72 आवास आरक्षक/प्रधान आरक्षकों के लिये है।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि पुलिस विभाग एक मात्र ऐसा विभाग है, जो सभी विभागों का सहयोगी होकर कार्य कर रहा है। सारे विभाग एक तरफ होते हैं और गृह विभाग दूसरी तरह, जो कानून-व्यवस्था के साथ सभी विभागों की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। चाहे मंडी में ट्रेक्टर्स लगवाना हो, कथा व्यवस्था करवाना हो, भंडारे में प्रबंध करने हो या अन्य किसी भी कार्य में, जहाँ पुलिस विभाग की जरूरत होती है, हमारा जवान मुस्तैद रहता है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश से अन्य प्रदेशों के अधिकारी परिश्रम की पराकाष्ठा करना सीखेंगे। हमारी पुलिस का सेवा भाव प्रदेश को देश में गौरवान्वित करेगा। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी हमने बेहतर तरीके से संयमित होकर कार्य करके दिखाया है। यदि हम परिस्थितियाँ नहीं बदल सकते, तो अपनी मनोस्थिति को बदल कर कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दें। हम अपने कार्य में तल्लीन होंगे, तो शारीरिक और मानसिक थकान भी नहीं होगी। हम सभी भारत माता के मंदिर में पूजा में लगे हुए हैं। मध्यप्रदेश पुलिस का यही भाव देश के लिये अनुकरणीय होगा। मंत्री डॉ. मिश्रा ने नव-निर्मित अत्याधुनिक सर्व-सुविधायुक्त बहुमंजिला भवन के निर्माण पर मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधो-संरचना विकास निगम और भवन में रहने वाले पुलिसकर्मियों को बधाई और शुभकामनाएँ दी। पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और गृह मंत्री डॉ. मिश्रा, जवानों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिये लगातार प्रयासरत रहे हैं। आज पुलिस का निरंतर आधुनिकीकरण हो रहा है। जवानों के लिये नव-निर्मित सर्व-सुविधायुक्त आवास निर्माण का कार्य निरंतर जारी है। सक्सेना ने कहा कि गृह मंत्री डॉ. मिश्रा के मार्गदर्शन और प्रेरक नेतृत्व से हमारा मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने कार्य करने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की और विभागीय हित में सदैव चट्टान की तरह साथ खड़े रहे।

वे इशारा करके बोले ये रही भगवान की चांदी!

आनंद कुमार शर्मा

पिछले सप्ताह अखबारों और सोशल मीडिया पर ये खबर खूब छपी कि मशहूर उद्योगपति अंबानी ने सोमनाथ मंदिर में में दर्शन कर डेढ़ करोड़ रुपयों का दान दिया, हालांकि इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार अंबानी जी की संपत्ति आज की स्थिति में 83.6 अरब रुपए है, तो उसके मायने में ये राशि पासंग भी नहीं है। मेरे मत में तो दान ऐसा देना चाहिए कि इस हाथ का दिया दूसरे हाथ को भी पता न लगे।

बड़ी पुरानी कहानी है। अब्दुल रहीम खानखाना का दरबार लगा था और वे अपने सामने रखी अशर्फियों के ढेर से अपने सामने कतार में लगे लोगों को मुट्ठी भर भरकर अशर्फियाँ दान में दे रहे थे। दरबार में उपस्थित कवि गंग ने देखा कि एक व्यक्ति दान लेने के बाद फिर जाकर क़तार में लग गया और जब दोबारा उसका नम्बर आया तो रहीम में फिर अशर्फियों से भरी मुट्ठी उसकी झोली में छोड़ दी। महाकवि गंग ने ध्यान से देखा तो पाया की जब रहीम दान देने के लिए हाथ बढ़ाते हैं तो आँखें नीची कर लेते हैं, यानी ये देखते ही नहीं कि किसे दे रहे हैं। महाकवि समझ गये कि इसी गफलत का फायदा उठाकर ये बंदा दोबारा क़तार में लग कर दान ले गया है। ऐसा फिर न हो, सो सचेत करने के लिहाज़ से महाकवि ने रहीम से कहा

सीखी कहाँ नवाब जू, ऐसी देनी देन।
ज्यों ज्यों कर ऊँचे चढ़े, त्यों त्यों नीचे नैन॥

यानी ऐसे दान देना कहाँ से सीखा की जैसे जैसे दान की मात्रा बढ़ती हैं आपकी आँखें नीची होती जाती हैं और आप देखते भी नहीं हो कि किसे दे रहे हो। इस अतिशय विनम्रता के क्या मानी हैं।

जवाब में रहीम ने कहा

देनहार कोउ और है, देत रहत दिन रैन।
लोग भरम मोपे करें, ताते नीचे नैन॥

अर्थात देने वाला तो कोई और है यानी वो ईश्वर ही दाता है। वही देता है और उसके दिए को मैं लोगों को देता हूँ तो लोग समझते हैं कि मैं दे रहा हूँ! जबकि, दे तो वो परवरदिगार रहा है, इसलिए मारे शर्म के मैं अपनी आँखें नीचे कर लेता हूँ। कितना सुंदर भाव है।

एक और प्रसंग याद आ गया। महाकाल मंदिर में चाँदी का रुद्र यंत्र बन रहा था जिसके लिए लगभग अस्सी किलो चाँदी की आवश्यकता थी। दान में मंदिर के पास पचपन किलो चाँदी आ चुकी थी पर 25 अभी भी बाक़ी था। महाशिवरात्रि पर मानसिंहका जी पधारे, थे तो मूलतः राजस्थान के पर मक्सी में उनकी फैक्ट्री हुआ करती थी। मैंने उनसे निवेदन किया कि अपनी दान की मात्रा बढ़ा दो 25 किलो चांदी और दे दो। मानसिंहका जी ने पहले तो मना किया, पर जब भस्म आरती के बाद गर्भगृह से बाहर आये तो बोले आप दूसरों की चाँदी वापस कर दो, मैं पच्चीस नहीं बल्कि पूरी चाँदी अपनी और से कर देता हूँ। मैंने एक क्षण सोचा और फिर कहा कि दान में तो सबका अंश एक बराबर ही होता है, जिससे मैं इस काम के लिए चाँदी ले चुका हूँ उन्हें तो वापस नहीं कर पाऊँगा।

मानसिंहका जी की शर्त मान नहीं सकता था तो बात आई गई हो गई और पूर्ति हुई तब जब श्री महाकालेश?वर मंदिर में प्रसिद्ध संत स्वामी श्री विश्वात्मा नंद जी महाराज महामंडलेश्वर विरक्त मंडल पधारे। स्वामी जी महाकालेश?वर मंदिर के पीछे स्थित मंदिर की धर्मशाला में रुके थे। सुबह-सुबह मैं उज्जैन के कलेक्टर विनोद सेमवाल साहब के साथ धर्मशाला पहुँचा और हम दोनों जाकर स्वामी जी के पास बैठ गये। स?वामीजी ने मुझसे पूछा बताइए क्या चाहते हैं। मैंने उन्हें रूद्र मंत्र और मेहराब में लगने वाले चांदी के मंत्रों के बारे में संक्षिप्त में बताया और निवेदन किया कि मुझे 25 किलो चाँदी कम पड़ रही है, मैं आपसे यह चाँदी चाहता हूँ!

सुनकर वे हँसने लगे और बोले साधु के पास कहाँ सोना-चाँदी है? मैंने कहा कि जैसा आप उचित समझें, मेरे जो मन में आया वो निवेदन मैं कर चुका हूँ। दूसरे दिन सोमवार की सुबह उठकर मैं ऑफिस जाने के लिए तैयार ही हो रहा था कि मंदिर के मैनेजर विश्वकर्मा का फोन आया कि कोई साधु महाराज गर्भगृह में आ बैठे हैं और भगवान के आसपास ढेर चाँदी लगा कर दूध पर दूध चढ़ाए जा रहे हैं, कह रहे है कि तुम?हारे साहब को बुला दो। मंदिर जाकर देखा तो गर्भगृह में भगवान महाकालेश्वर के ज्योतिर्लिंग के समीप चाँदी की सिल्लियां सजी हैं और स्वामी विश्वात्मा नंद जी हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहे हैं। हमारी निगाहें मिली तो मुझे देखकर वे मुस्कुराए और इशारा करके बोले 'ये रही भगवान की चाँदी।'

मदिरा प्रदेश' को लेकर 'रार' कितनी जायज....

दिनेश निगम 'त्यागी'

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के बीच दो मुद्दों को लेकर जुबानी जंग तेज है। पहला, एक दूसरे से पूछ जा रहे सवाल हैं और दूसरा, 'मदिरा प्रदेश' को लेकर छिड़ी रार है। घोषणा पत्र में किए वादों को लेकर सवाल पूछना सामान्य बात है लेकिन 'मदिरा प्रदेश' के मसले पर दोनों दल कटघरे में हैं। राज्य सरकार ने जैसे ही अपनी नई आबकारी नीति घोषित की, कमलनाथ ने आरोप जड़ दिया कि प्रदेश की भाजपा सरकार मप्र को 'मदिरा प्रदेश' बनाने में तुली है।

भाजपा जिस तरह मुद्दों को लपकती है, मुख्यमंत्री शिवराज ने यही किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कमलनाथ 'मदिरा प्रदेश' कह कर मप्र को बदनाम कर रहे हैं। प्रदेश भर में इसे लेकर भाजपा ने प्रदर्शन कर डाले। जवाब में कमलनाथ ने शिवराज को उस समय के अभियान की याद दिला दी जब प्रदेश में कमलनाथ सरकार थी और शिवराज ने खुद कांग्रेस सरकार पर मप्र को 'मदिरा प्रदेश' बनाने का आरोप लगाया था। उन्होंने इसके लिए एक वाट्सएप नंबर जारी कर अभियान चलाया था। साफ है कि विपक्ष में रहने के दौरान दोनों नेताओं का रुख एक जैसा था। प्रदेश के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में सुरा प्रेमी लगातार बढ़ रहे हैं। प्रदेश में 26 फीसदी महिलाएं भी शराब पीने लगी हैं। कॉश! ये दल एक दूसरे पर आरोप लगाने की बजाय सुरा पान को हतोत्साहित करने की दिशा में ध्यान देते।

मुखिया जैसा बड़प्पन दिखा सकते थे कमलनाथ

एआईसीसी डेलीगेट्स की सूची जारी होने के बाद प्रदेश कांग्रेस के अंदर असंतोष देखने को मिल रहा है। नाराजगी इतनी कि कुछ नेता विरोध दर्ज कराने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के बंगले पहुंच गए। यह बात अलग है कि नेताओं की कमलनाथ से मुलाकात नहीं को सकी। यह सच है कि ऐसे मसलों में पूरी पार्टी को संतुष्ट नहीं किया जा सकता, लेकिन पार्टी के मुखिया के नाते कमलनाथ बड़प्पन दिखा कर असंतोष कुछ कम कर सकते थे। पहले तो सूची में भाई भतीजावाद और परिवादवाद की झलक दिखना नहीं चाहिए थी।

राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस इसी से उबरने की कोशिश कर रही है। फिर भी इस सूची में परिवारवाद को बढ़ावा देते हुए एक परिवार के दिग्विजय सिंह, भाई लक्ष्मण सिंह और बेटे जयवर्धन सिंह, कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के साथ कांतिलाल भूरिया और उनके बेटे विक्रांत भूरिया को शामिल कर लिया लेकिन अरुण यादव के साथ उनके भाई सचिन यादव को सूची में जगह नहीं मिली। सीधा मैसेज गया कि अरुण की कमलनाथ के साथ पटरी नहीं बैठती, इस कारण जानबूझ कर उनका पत्ता काटा गया। इसी प्रकार मानक अग्रवाल और राजकूमार पटेल जैसे वरिष्ठ नेता लगातार एआईसीसी डेलीगेट्स रहे हैं, व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के कारण इन्हें नजरअंदाज नहीं करना था। दोनों पार्टी में प्रदेश पदाधिकारी भी हैं।

घात-प्रतिघात में सलूजा पर भारी पड़ते बबेल

प्रदेश की राजनीति में जैसा घात-प्रतिघात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के बीच चल रहा है, इससे कहीं ज्यादा मजा लोगों को कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा और कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले के बीच के ट्वीट को पढ़ कर आ रहा है। प्रारंभ में लगा था कि कमलनाथ के लिए सलूजा की कमी शायद पूरी न हो पाए, लेकिन बबेले ने जिस कुशलता से मोर्चा संभाला, इस तरह के सारे भ्रम टूट गए। दोनों के ट्वीट देखकर लगता है कि बबेले, सलूजा की तुलना में किसी भी दृष्टि से कमतर नहीं, बल्कि उन पर भारी पड़ रहे हैं। संभवतः इसकी वजह यह भी है कि बबेले का अनुभव ज्यादा है और वे अच्छे पत्रकार रहे हैं।

हालांकि इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि राजनीतिक दल बदलने के बाद भी सलूजा का अंदाज नहीं बदला। वे भाजपा में सेट हो गए हैं। कमलनाथ के लिए वे जैसा काम कर रहे थे, लगभग वैसी ही भूमिका भाजपा के पक्ष में निभा रहे हैं। इस लिहाज से भाजपा में जो कमी थी, सलूजा के आने से उसकी पूर्ति हो गई है। पहले वे जैसे तंज भाजपा पर कसते थे, अब कांग्रेस पर कस रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप के सिलसिले में भाजपा- कांग्रेस अब बराबरी पर हैं। बबेले और सलूजा के सामने दोनों पार्टियों के शेष प्रवक्ता फीके दिख रहे हैं।

दिग्विजय के भाई लक्ष्मण ने खड़ी की मुसीबत

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं उनके अनुज विधायक लक्ष्मण सिंह कई मसलों पर खरी-खरी कहने के लिए जाने जाते हैं। उनका यह रुख कई बार कांग्रेस के लिए मुसीबत का कारण बन जाता है। कांग्रेस के अधिवेशन से पहले जारी हुई एआईसीसी डेलीगेट्स की सूची में भाई-भतीजावाद और अपनों को ही ध्यान रखते की शिकायतें तो थी हीं, लक्ष्मण सिंह ने आदिवासी वर्ग की उपेक्षा का मुद्दा अलग ढंग से उठा दिया।

उन्होंने कहा कि सूची में आदिवासी नेता कम हैं। मैं चाहता हूं कि मेरे स्थान पर कांग्रेस विधायक डॉ हीरालाल अलावा को कांग्रेस अधिवेशन में ले जाया जाए। लक्ष्मण ने कहा हीरालाल बड़े आदिवासी नेता हैं। इस बयान ने विरोधियों को कांग्रेस को घेरने का एक और मौका दे दिया। मजेदार बात यह है कि कांग्रेस नेतृत्व ने लक्ष्मण की बात को तवज्जो दी और कांग्रेस आलाकमान की ओर से हीरालाल अलावा को कांग्रेस अधिवेशन में शामिल होने के लिए आमंत्रण आ गया। इस तरह जितना विरोधियों के कारण आदिवासी वर्ग की उपेक्षा का मुद्दा तूल नहीं पकड़ा था, उतना लक्ष्मण के ट्वीट से उछल गया। यह पहला अवसर नहीं है जब लक्ष्मण के कारण कांग्रेस घिरी, वे कई बार पार्टी को असहज करने वाले बयान दे देते हैं। हालांकि उनका अंदाज चाहे जैसा हो लेकिन बात वे पते की करते हैं।

सामाजिक सरोकारों में इस दिग्गज की बहू की एंट्री

परिवारवाद को लेकर छिड़ी बहस के बीच प्रदेश के दिग्गज भाजपा नेता, पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भागर्व की बहू ने नया रास्ता निकाला है। आखिर राजनीति में न सही लेकिन समाज सेवा में तो परिवादवाद चल सकता है। इस बात को ध्यान में रखकर गोपाल भार्गव की बहू शिल्पी भार्गव क्षेत्र में सक्रिय हो गई हैं। जरिया है सामाजिक सरोकारों के कामों में बढ़ चढ़ कर हिस्सेदारी। शिल्पी हाल ही में ऐसे दो परिवारों के पास गई जो गरीब थे और अनाथ जैसे हो गए। विकास यात्रा के दौरान एक ऐसे बच्चे अभिराज रजक के बारे में जानकारी मिली, जिसके मां-बाप की मृत्यु हो चुकी है। शिल्पी ने अपने पति अभिषेक भार्गव के साथ मंच से ही अभिराज को गोद लेने की घोषणा कर दी। दोनों बच्चे के घर खिलौने, कपड़े, फल और मिठाईयां लेकर पहुंचे तो पता चला कि बच्चा बीमार है। अस्पताल ले जाकर उसका इलाज कराया और घर छोड़ा। शिल्पी-अभिषेक का कहना है कि उनके तीन बच्चे पहले से हैं, अब चौथा अभिराज रजक है। उन्होंने कहा कि अपने तीन बच्चों की तरह ही वे इसकी भी देखभाल, परिवरिश के साथ पढ़ाई-लिखाई की जवाबदारी उठाएंगे। कॉश! वरिष्ठ राजनेताओं के उत्तराधिकारी चुनावी टिकट के लिए जद्दोजहद करने की बजाय सामाजिक सरोकार से जुड़े ऐसे काम करने लगें तो राजनीति की दिशा ही बदल जाए।

मानवाधिकार आयोग को सजा देने का अधिकार भी मिले!

विनय झैलावत

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग मानव अधिकारों के संरक्षण के मामले में देश की सर्वोच्च संस्था है। ऐसी ही संस्थाएं राज्यों में भी हैं। यह एक कानूनी संस्था है, जिसका गठन 1991 के पेरिस सिद्धांतों के अनुसार हुआ। मानवाधिकारों के उल्लंघन की शिकायत मिलने पर आयोग स्वयं अपनी पहल पर या पीड़ित व्यक्ति की याचिका पर जांच कर सकता है। इस आयोग के कार्य-क्षेत्र में जेलों में बंदियों की स्थिति का अध्ययन करना, न्यायिक व पुलिस हिरासत में हुई मृत्यु की जाँच-पड़ताल करना, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और लोगों के गायब होने आदि मामलों की जाँच करना शामिल है। साथ ही मानवाधिकार के क्षेत्र में शोध कार्य करना या शोध को बढ़ावा देना और लोगों को मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करना भी इस आयोग के कार्यों में शामिल है। आयोग मानवाधिकार से जुड़ी अंतर्राष्ट्रीय संधियों, सम्मेलनों और रिपोर्ट्स का अध्ययन कर उनके प्रभावी अनुपालन की सिफारिश भी करता है। इनके अलावा भी मानव अधिकारों से संबंधित एवं इन क्षेत्रों में आयोग के कई कार्य हैं। आयोग की तुलना बिना नाखूनों और बिना दाँतों वाले शेर से की जाती है, जो कहने को तो शेर होता है, लेकिन उसके पास वास्तविक शक्तियाँ नहीं होती हैं। मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले में यह आयोग न तो किसी को दंडित कर सकता है और न ही किसी को मुआवजा दे सकता है। यह केवल अपनी जांच के आधार पर सरकार या न्यायालय से मुकदमे की सुनवाई की सिफारिश कर सकता है। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकारें आयोग की सिफारिशें मानने के लिए बाध्य नहीं हैं। आयोग उन शिकायतों की जाँच नहीं कर सकता जो घटना होने के एक साल बाद दर्ज कराई गई हों। साथ ही, आयोग के पास सैन्य बलों द्वारा मानवाधिकार के उल्लंघन के मामलों की जाँच का अधिकार भी नहीं है। बड़ी संख्या में पदों का खाली पड़े रहना, संसाधनों व धन की कमी, आयोगों के अंदर सदस्यों का नौकरशाही ढर्रे पर काम करना, पुलिस व अन्य जाँच एजेंसियों का पूरी तरह से सहयोग न करना आदि आयोग की राह में रूकावट का बड़ा कारण हैं।

भारत में मानवाधिकार उल्लंघन के आंकड़े चिंताजनक है। आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश में आयोग ने बीते पाँच सालों में क्रमशः अर्थात 2017 में 82,006, साल 2018 में 85,950, साल 2019 में 76,585 और साल 2020 में 75,064, साल 2021 में 1,06,022 शिकायतें दर्ज की हैं। वहीं वर्ष 2022-23 में मई माह तक 16,504 शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। इनमें से 17,043 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। आयोग के समक्ष आज भी हजारों मामले विचाराधीन हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को एक मजबूत और शक्तिशाली संस्था बनाने के लिए द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कई सिफारिशें की हैं। रिपोर्ट के अनुसार पीड़ितों का विवरण इस तरह से दिया जाना चाहिए कि विभिन्न आयोगों के बीच आंकड़ों का ताल-मेल ठीक रहे। इसके अलावा शिकायतों के जल्द से जल्द समाधान के लिए आयोग की शक्तियों को बढ़ाया जाना चाहिए। साथ ही आयोग में संसाधनों व धन की कमी को दूर किया जाना भी आवश्यक है। आयोग में एक कार्यकारी समूह का गठन भी किया जाना चाहिए, जो अविलंब कार्रवाई कर सके। इसके अलावा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सरकारों, पुलिस, न्यायपालिका व अन्य जांच एजेंसियों द्वारा आयोग के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाया जाए ताकि आयोग अपना कार्य बिना किसी बाधा के कर सके।

लेकिन, अधिकार संपन्न होने के बाद भी केवल मानवाधिकार आयोग द्वारा शिकायतों का निवारण करने से ही मानव अधिकारों का संरक्षण नहीं हो सकेगा। लोगों को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा। यह भी ध्यान रखना होगा स्वयं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहकर दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। हमें समझना होगा कि जो आजादी, समानता, प्रतिष्ठा, शांति आप अपने लिए चाहते हैं, वह दूसरों को भी दें। तभी हम अपने मानवाधिकारों का समुचित विकास और संरक्षण कर पाएंगे।

भारत के संविधान में संबंधित प्रावधानों के साथ मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के प्रावधानों में, कानून के समक्ष समानता, समान सुरक्षा, मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के उपाय, जीवन का अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अपराधों की सजा के संबंध में संरक्षण, संपत्ति का अधिकार, अंतरात्मा की स्वतंत्रता का अधिकार और किसी भी धर्म का अभ्यास, प्रचार और प्रसार करना, बोलने की स्वतंत्रता, सार्वजनिक सेवा के अवसर में समानता, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार सम्मिलित है। राजनीतिक और नागरिक अधिकारों तथा सिविल एवं राजनीतिक अधिकारों की अंतर्राष्ट्रीय समझौता, 1966 पर अंतर्राष्ट्रीय संधि में निहित कई नागरिक और राजनीतिक अधिकार भी भारत के संविधान के भाग तीन में निहित हैं। भारत ने इस समझौते पर हस्ताक्षर और इनकी पुष्टि की है।

संविधान के अधिनियम के समय इस घोषणा में जितने अधिकार उपलब्ध थे, उतने मौलिक अधिकार उपलब्ध नहीं थे। न्यायिक व्याख्याओं ने भारतीय संविधान में उपलब्ध मौलिक अधिकारों के दायरे को निरंतर विस्तृत किया है। एडीएम जबलपुर बनाम शिवाकांत शुक्ला मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह पाया कि भूमि का कानून भारतीय संविधान में विशेष रूप से प्रदान किए गए अन्य प्राकृतिक या सामान्य कानून अधिकारों को मान्यता नहीं देता है। बाद में, मेनका गांधी बनाम भारत संघ के मामले में न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती ने अनुच्छेद 21 में अभिव्यक्ति एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता विस्तृत विश्लेषण किया तथा इसमें कई तरह के अधिकार शामिल माने। ये अधिकार मानव की व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिये होते हैं। इनमें से कुछ को अलग मौलिक अधिकारों की स्थिति में माना गया और अतिरिक्त सुरक्षा दी गई है। अनुच्छेद 19 के तहत कोई भी व्यक्ति विदेश जाने के अपने अधिकार से तब तक वंचित नहीं रह सकता है, जब तक कि राज्य द्वारा उसे वंचित करने की प्रक्रिया को निर्धारित करने वाला कोई कानून न हो। मेनका गांधी प्रकरण के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने अनेकों मामलों में मौलिक अधिकार की न्यायिक व्याख्याएं कर इसे व्यापक बनाया तथा कई अधिकार एवं छूट नागरिकों को प्रदान की। इनमें मानव सम्मान के साथ जीने का अधिकार, स्वच्छ वायु का अधिकार, स्वच्छ जल का अधिकार, शोर प्रदूषण से मुक्ति का अधिकार, शीघ्र परीक्षण का अधिकार, निशुल्क कानूनी सहायता का अधिकार, आजीविका का अधिकार, भोजन का अधिकार, चिकित्सा देखभाल का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार जैसे अनेक अधिकार सम्मिलित हुए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

सक्रिय भूमिका में जिलाध्यक्ष हर बूथ पर नजर, बूथ स्तर पर काम करें कार्यकर्ता : राकेश शर्मा

बरेली । भारतीय जनता पार्टी रायसेन जिले के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा विकास यात्रा को लेकर सक्रिय भूमिका में नजर आए जिले में विकास यात्रा की बूथ स्तर तक की मॉनिटरिंग जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने स्वयं की विकास यात्रा के समाप्त होते प्रदेश अध्यक्ष सहित राष्ट्रीय प्रदेश पदाधिकारी और मुख्यमंत्री ने जिला अध्यक्षों की बैठक ली जिसमें रायसेन जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा भी शामिल हुए प्रदेश संगठन से मिले निर्देशों के बाद जिलाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि हर बूथ स्तर पर सक्रिय भूमिका में रायसेन जिले के जिला पदाधिकारी से लेकर बूथ स्तर का कार्यकर्ता काम करें कार्यकर्ता बूथ स्तर पर पहुंचकर सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को हितग्राहियों से जोड़ने का काम करें। जिले के प्रत्येक बूथ तक भाजपा को मजबूत करने का काम हमें करना है सैकड़ों योजनाएं हैं जो आज गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही हैं 7 जिला अध्यक्ष ने कहा कि विकास यात्रा ने जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया है। संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता ने विकास यात्रा में अपने दायित्व को बखूबी निभाया सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं 7 अब हमें हर बूथ पर पहुंच कर लोगों को बताना होगा कि भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग के लिए काम कर रही है और विकास के लिए सैकड़ों योजनाओं को लागू किया है।

विकास यात्रा में श्री यादव को किया सम्मानित

शाजापुर। विकास यात्राओं के क्रम में 22 वें दिन विकास यात्रा शाजापुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत जनपद पंचायत मोहन बड़ोदिया के गांव जलोदा पंचायत पहूंची जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसौदिया सहित भाजपा के पदाधिकारी मौजूद थे इस अवसर पर पनवाड़ी सहकारी बैंक के सुपरवाइजर भगवान सिंह यादव को कृषकों के हित में अच्छा कार्य करने पर स्वागत व सम्मानित किया जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सिसौदिया ने शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही गांव रसूलपुर 95.55 लाख गांव कबूलपुर में 63.30 लाख रुपए लागत से निर्मित होने वाली नलजल योजनाओं का भूमिपूजन भी किया।

वार्षिक परीक्षा का आयोजन किया

छतरपुर । जिले के देसी डिप्लोमा बैच नंबर 9 टी पी नंबर 1852 एवं बैच नंबर 10 टी पी नंबर 1929 की वार्षिक परीक्षा का आयोजन किया गया जिसके तहत शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज का तथा कैंडिडेट के द्वारा बनाए गए अभिलेख जैसे प्रॉब्लम सॉल्यूशन रजिस्टर, प्रैक्टिकल फाइल ,स्केच पंजी/हरबेरियम फाइल एवं असाइनमेंट का परीक्षण किया गया द्य इसके साथ साथ मौखिक परीक्षा ली गई ,जिसमें बैच नंबर 9 के 40 कैंडीडेट्स तथा बैच नंबर 10 के 39 कैंडिडेट ने भाग लिया द्य जैसा की सर्वविदित है कि छतरपुर जिला देसी डिप्लोमा कराने में पूरे मध्यप्रदेश एवं पूरे देश में प्रथम स्थान पर चल रहा है द्य मैनेज हैदराबाद के प्रतिनिधि के रूप में डॉ संजय सिंह कृषि वैज्ञानिक रीवा से आए तथा सिएट डायरेक्टर श्री के पी अहिरवाल उपस्थित रहे द्य बैच के फैसिलिटेटर आर पी शर्मा एवं डॉक्टर बी पी सूत्रकार के साथ-साथ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर (श्रीमती) वीणापानी श्रीवास्तव उपस्थित रही, जिन्होंने अभिलेखों का सत्यापन किया तथा मौखिक परीक्षा ली गई द्य बैच नंबर 9 की लिखित परीक्षा एवं स्पोटिंग परीक्षा कृषि विज्ञान केंद्र नौगांव में 26/02/ 2023 को आयोजित की गई द्य जिसमें 20 आइटम की स्पोटिंग के रूप में परीक्षा संपन्न हुई ।

सहायक उपकरण देने के लिए एलिम्को टीम ने 115 दिव्यांगों की जांच की

खरगोन । जिले की झिरन्या जनपद पंचायत में सोमवार को दिव्यांजनो को सहायक उपरकण प्रदान करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एलिम्को टीम द्वारा ऐसे दिव्यांगजनो को चिन्हांकित किया गया जिन्हें सहायक उपकरण प्रदान किये जाना है। शिविर में जांच कराने के लिए कुल 115 दिव्यांगजन उपस्थित हुए। जिनकी जांच एलिम्को टीम द्वारा की गई। इसी तरह मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र सनावद में शिविर आयोजित किया

वसूली करो या कुर्की वसूली हर हाल में होना चाहिए:कलेक्टर

वसूली और नामांतरण, बंटवारा व सीमांकन प्रकरणों में कलेक्टर ने निराकरण के मामले में नाराजगी व्यक्त की

खरगोन । कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा द्वारा गत सोमवार 20 फरवरी को राजस्व अधिकारियों से वसूली के लिए ऐसे बड़े बकायदारों की सूची मांगी गई थी। जो गोडाउन या बड़े भवनों के मालिक है जिनसे राजस्व वसूला जाना है। राजस्व अधिकारी सूची प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके लिए राजस्व अधिकारियों को कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा की नाराजगी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य शोभनीय नहीं है। वसूली के लिए जो लक्ष्य दिया गया था। उसको भी पूर्ण नहीं किया गया और सूची भी प्रस्तुत नहीं हुई है। यह बड़ा ही खेदजनक है। ऐसा लगता है कि राजस्व अधिकारी कोई प्लानिंग के साथ कार्य नहीं कर रहे हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने सोमवार को टीएल बैठक से पूर्व राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक ली। सनावद तहसील की वसूली को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कलेक्टर श्री वर्मा ने गम्भीरता से कार्य करने की नसीयत दी। राजस्व अधिकारियों को 2 दिनों में सूची प्रस्तुत करने और आगामी एक सप्ताह में 12 करोड़ रुपये की वसूली करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा जो भी करना है करे वसूली करे या कुर्की हर हाल में शेष बकाया वसूली 12 करोड़ रूपये वसूले जाए। फरवरी-मार्च माह वसूली के लिए माकूल समय है। बैठक में अपर कलेक्टर जेएस बघेल,केके मालवीया, कसरावद एसडीएम अग्रिम कुमार, खरगोन एसडीएम श्री ओएन सिंह, भीकनगांव एसडीएम मिलिंद ढोके व बड़वाह एसडीएम श्री बीएस कलेश उपस्थित रहे।

नामांतरण, सीमांकन और बंटवारे के प्रकरणों पर लोक सेवा गारंटी अधिनियम लागू होगा

कलेक्टर श्री वर्मा ने राजस्व अधिकारियों को नामांतरण, सीमांकन और बंटवारे के प्रकरणों को समय सीमा मेंनिराकारण पर जोर देते हुए कहा कि इन प्रकरणों पर लोक सेवा गारंटी अधिनियम लागू किया जाएगा। अगर लेट लतीफी की गई तो पेनल्टी भी की जाएगी।

राजस्व अधिकारियों को कार्य में करना होगा सुधार

कलेक्टर श्री वर्मा ने बुधवार को सनावद और गुरुवार को महेश्वर तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया था। इसी के आधार पर जो त्रुटियां निरीक्षण में पायी गई। उन्हें आगे सुधारने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारियों को कार्य में सुधार करते हुए आदेशों का पालन हर हाल में करवाना होगा। राजस्व के ऐसे कार्य होने हैं जो धरातल पर नजर आते हैं, उन्हें वास्तविक रूप से धरातल पर लाये। महेश्वर व सनावद तहसील के निरीक्षण के बाद ऐसी स्थिति क्षमनिय नहीं होगी। सभी एसडीएम सक्रिय हो जाये बाबू और रीडर के भरोसे न रहें।

आवासीय भू-अधिकार फेस-1 में अपात्रता के कारण एसएलआर देखेंगे

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री आवासीय भु-अधिकार योजना में बड़ी संख्या में अपात्र हुए है। ऐसे प्रकरणों पर एसएलआर श्री पवन वास्केल सभी तहसीलदारों से निरस्ती के कारणों के बारे में जानेंगे। अगर पात्र निकलते हैं तो लाभ दिया जाएगा।

खरगोन में बेस्ट कार्य होना चाहिए

कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि राजस्व विभाग में खरगोन में सबसे बेस्ट कार्य होना चाहिए। चाहे वो स्वामित्व योजना के हो या नामांतरण, बंटवारे या सीमांकन के हो।

इंदौर ।देश में स्वच्छता अभियान के जनक प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी के आदर्श संत गाडगे बाबा की 147 जयंती पर संत गाडगे बाबा रोबोट चौरहे पर स्थित गाडगे प्रतिभा पर माल्यपर्ण कर खिचडी प्रसाद का वितरण किया गया कार्यक्रम मे लोकप्रिय विधायक रमेश मेंदोला तुलसी सिलावटमंत्री भाजपा महामंत्री निक्की राय जन उधोगपति सूरज रजक जी व रजक समाज शकुंतला बड़े रजक समाज के कांग्रेसी नेता बबलू बेजोड़ पप्पू सोलंकी मोंटू सोलंकी देवीलाल लश्करी अखिल भारतीय रजक समाज के संभागीय अधयक्ष श्री संदीप लशकरी जी बंटी बाथम उत्तम श्रीवास राजा बुंदेला निलेश सोलंकी रूबल लश्करी हेमंत बुंदेला व रजक समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए गणमान्य समाज जन , विभिन्नरजक संगठन के अध्यक्ष

आशा एवं ऊषा कार्यकर्ताओं ने सीएमएचओ को सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। आशा, ऊषा, आशा सहयोगी संयुक्त मोर्चा द्वारा आज मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सीएमएचओ छतरपुर को सौंपा गया है जिसमें चेतावनी दी गई है कि अगर आशा ऊषा पर्यावेक्षकों को न्याय पूर्ण वेतन नहीं दिया गया तो 15 मार्च से आशा एवं ऊषा कार्यकर्ता अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर देगें। ज्ञापन की प्रति मिशन संचालक को भी भेजी गई है। ज्ञापन देते समय संयुक्त मोर्चा की अध्यक्ष पप्पी राजा बुंदेला, ब्लॉक अध्यक्ष विनीता तिवारी साधना चौरसिया रिंकी चौरसिया प्रीति चौरसिया गायत्री साहू विनोद यादव देव कुमारी पटेरिया गायत्री पटेल ममता साहू आदि उपस्थित रहीं

राशन दुकानों से खाद्यान्न लेते वक्त कुल वजन और राशि की जानकारी लें

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी आर ने उचित मूल्य दुकानों के उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि राशन दुकानों से खाद्यान्न लेने के पूर्व बायोमेट्रिक मशीन पर अंगूठा लगाने के बाद गेहूं, चावल की कुल मात्रा और कुल दी जाने वाली राशि की जानकारी सुनने के बाद ही सामग्री लेकर भुगतान करें।।

फोटोग्राफर पर घर में घुसकर तलवार से जानलेवा हमला, आरोपी फरार

गौहरगंज। सोमवार रात्रि लागभग 06 से साढ़े 06 बजे के बीच अमोदा निवासी विजय जोशी, स्व~पिता प्रकाश चंद्र जोशी उम्र 45 वर्ष पर तलवारों से जानलेवा हमला हुआ। विजय जोशी फ़ोटो जर्नलिस्ट एवं फोटोग्राफर रह चुके हैं। घटना को अंजाम राकेश चौकसे, पुत्र स्व~पन्ना लाल चौकसे, उम्र लागभग 38 से 40 वर्ष द्वारा दिया गया। कानून व्यवस्था की यह दुर्दशा थाना गौहरगंज अंतर्गत पहले देखने व सुनने में नही आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय विजय जोशी का छोटा भाई शैलेन्द्र जोशी शादी में फ़ोटोग्राफी करने गया था, वो घर पर अकेले थे। उक्त घटना से ग्रामीण व आस/पास के लोग डरे हुए हैं। विजय जोशी द्वारा दिये गये बयान में बताया गया कि 10 हज़ार मात्र के लेन-देन को लेकर उसकी यह दुर्दशा राकेश चौकसे द्वारा की गई है। सोमवार को विजय जोशी ग्राम पंचायत अमोदा गरीबी रेखा का परमिट बनवाने गये थे। पंचायत में विजय जोशी को राकेश के छोटे भाई की पत्नी मिली एवं सारी बात विजय जोशी ने राकेश चौकसे के छोटे भाई की पत्नी को बताई कि राकेश चौकसे उसकी पत्नी से पैसे लेकर आया है, लौटा नही रहा है। उक्त विषय को लेकर शाम को राकेश व उसका साथी विजय जोशी के घर मे घुसकर एक दम तलवारों से बदहवास होकर हमला करने लगा। विजय जोशी द्वारा बताया गया कि उसकी पत्नी से राकेश चौकसे ने पैसे लिए थे, जिसकी शिकायत लेकर एवं राशन कार्ड को लेकर वो ग्राम पंचायत अमोदा गया था। ज्ञात हो कि विजय जोशी के पिता प्रकाश चन्द्र जोशी वन विभाग में कार्यरत थे एवं अनुकंपा नियुक्ति को लेकर विजय जोशी गौहरगंज वन विभाग एवं औबेदुल्लागंज वन मंडल में चक्कर काटते दिखाई देते थे। विजय जोशी चार भाई थे, जिसमें से 02 जीवित हैं वहीं, विगत वर्षों में उनकी माता भी शांत हो गईं हैं। अमोदा में विजय जोशी का स्वयं का मकान है, जहां इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस हर पहलू से जांच में जुटी है। गौहरगंज थाने से मिली जानकारी के अनुसार इस घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है एवं जल्द राकेश चौकसे के पकड़े जाने पर अन्य परतें खुलनी बाकी हैं। पुलिस हर तरफ राकेश चौकसे की तलाश में जुटी गई है परंन्तु अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक: लाठी के सहारे आने वाले लोगों को उपकरण देने हेतु चिहिंत करें

छतरपुर । कलेक्टर संदीप जी आर ने सोमवार को टीएल की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये कि जिले में आयोजित होने वाले शिविरों तथा कार्यालयों में लाठी एवं डंडे के सहारे आने वाले लोगों को चलने के लिये समर्थ बनाने के उद्देश्य से उपकरण देने हेतु सीईओ जिला पंचायत, सीईओ जनपद और सीएमओ पात्र लोगों की चिहिंत करने की कार्यवाही करें। अनुविभाग में एसडीएम कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक गंभीरता से करें और गौ-शाला के पशुओं के चारे के लिये भूमि एयरमार्क करें। सीईओ जनपद भ्रमण करते हुये गौ-शाला के क्रियाशील होने और पशुओं की संख्या संबंधी रिपोर्ट दें। जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में दुग्ध चीलिंग प्लांट की कार्ययोजना को पुर्न विकसित करें। हितग्राही मूलक योजना में संवेदनशीलता का परिचय देते हुये बैंकों से समन्वय करते हुये ऋण स्वीकृत कराते हुये पात्रा को लाभान्वित कराये।

ग्रीष्मकाल में पेयजल प्रबंधन समुचित रखने की कार्ययोजना तैयार करें। छतरपुर शहर के बस स्टैण्ड के भीतर अवैध अतिक्रमण को सीएमओ सतत रूप से हटाये। हॉट बाजार व्यवसाय के लिये लीगल क्षेत्र नहीं है उन क्षेत्रों से नगरपालिका न तो बैठकी ले और न ही उन स्थानों पर बाजार लगने दें।

कलेक्टर ने सीएमएचओ और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिये कि लोगों को दिये गये आयुष्मान कार्ड का सत्यापन कराये और शेष बचे लोगों के आयुष्मान कार्ड भी बनवाये। सीएमएचओ और सिविल सर्जन चिकित्सालयों की एम्बुलेंस का ऑडिट करते हुये तैयार किये जाने वाले प्रतिवेदन में उल्लेखित करें कि एम्बुलेंस क्रियाशील होने की वर्तमान स्थिति क्या है। पीएम आवास योजना के मकान उसी जगह बनवाये जहां हितग्राही निवासरत है, अन्य स्थानों पर मकान बनाये जाने पर स्वीकृति कर्ता के विरूद्ध कार्यवाही होगी।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया जिला भोपाल (म. प्र.)

क्र./ था. प्रतलै./ भो/ डी.
मर्ग क्रं.09/23.

दिनाक 102/23
धारा 174 जा, फौ,

जाहिर सूचना

कैफियत मामला इस प्रकार है दिनाक 10/02/23 को सूचक ड्राक्टर सीएमओ शान्ता घर्वे टेली फोन अटेन्डर हरिश सिहं ने जरिये टेलीफोन सूचना दिया कि पेशेन्ट हशीना खान (नामक) महिला पिता / पति अज्ञात उम्र 60 साल निवासी मोता मस्जिद के फुटपाथ तलैया भोपाल को आज दिनाक 10/02/23 दोपहर 3/30 बजे 108 एवुलेन्श बिहोशी के हालात मे लेकर आई थी जिसकी इलाज दौरान आज दिनाक 10/02/23 को मृत्यु हो गई है । कि सूचना पर मर्ग क्र09/23 धारा 174 जा, फौ, का कायम कर जाँच मे लिया गया है मृतिका का हुलिया रंग सावला ऊचाई लगभग 5 फिट, कपडे मेहरून रगं कुरती जिस पर चमकीले सितारे जड़े है । तथा हरे रंग की सलवार पहने है। चेहरा आण्डकार सिर के बाल, बडे-बडे काले रगं के वदन दुबला पतला है। कि सूचना देता हूँ कि सूचना पर मर्ग क्र 09/23 कायम कर जांच मे लिया गया ।

थाना प्रभारी तलैया के मो, 94799905600755-5443230 एवं जाचँ कर्ता 7049104340 है।

जी-23588/22

थाना प्रभारी
थाना तलैया जिला भोपाल

वाल्मीकि रामायण में दर्शाई गई तीन अपराधों की श्रेणी -आचार्य ब्रहषि

रतलाम। वाल्मीकि रामायण में तीन अपराधों की श्रेणी दर्शाई गई है। यह अपराध मनसा, वाचसा और तनुसा हैं। मनसा अपराध का अर्थ मन यानी विचार से किसी का भी बुरा एवं अप्रिय सोचना, वाचसा का अर्थ अपनी जीभा से किसी के प्रति गलत बोलना या अत्यधिक बोलना है। अंत में एक अपराध और शामिल किया गया है जिसका नाम तनुसा है। तनुसा का अर्थ होता है कर्म के माध्यम से अपराध का भागीदार होना। जीवन में प्रत्येक मनुष्य को इन तीनों अपराधों से दूर रहकर मां सीताजी के चरणों की वंदन करना चाहिए। जिससे मानव श्रेष्ठ बन सके।

उक्त विचार परम पूज्य आचार्य ब्रह्मर्षि किरीट भाईजी ने श्री तुलसी परिवार द्वारा आयोजित श्री सीता चरित्र के मंगल प्रवचन के दौरान चौथे दिन व्यक्त किए। मंगल प्रवचन के पूर्व दीप प्रज्जवलन एवं स्वागत पूर्व महापौर शैलेंद्र डागा, भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप उपाध्याय, निर्मल कटारिया ने किया। पोथी पूजन एवं स्वागत मुख्य यजमान अचला राजीव व्यास, मनोरथी कुसुम गजेन्द्र चाहर, लक्ष्मी गोयल मुम्बई, प्रेमलता चांडा मुंबई, ध्रुव शाह, सुषमा, मधु हरीश रत्नावत, एसएस पोरवाल, मंजु सुरेश गुप्ता ने किया। आचार्य श्री का सम्मान गीता मंदिर समिति, नित्यानंद सनातन सोशल ग्रुप, आर्ट आफ लिविंग संस्था द्वारा किया गया। आचार्य श्री का स्वागत सुषमा आरके कटारे, बाबुलाल चौधरी, राजेश व्यास, ऋषि अग्रवाल, नीना सुरेश अग्रवाल, संदीप व्यास, अनुप्रिया दिनेश गुप्ता,

संजय व्यास, सुनील, वीरेंद्र वाफगांवकर, पार्षद योगेश पापटवाल, विठ्ठल सोनी, विवेकानंद उपाध्याय, प्रीति प्रशांत व्यास, हरीश बिंदल आदि ने किया। मंगल प्रवचन की समाप्ति पर प्रतिदिन प्रसादी का वितरण किया जा रहा है। मंगल प्रवचन के पांचवे दिन समाप्ति पर घनश्याम पांचाल को तरफ से प्रसादी वितरीत की जाएगी। संचालन कैलाश व्यास ने किया। अंबेडकर मांगलिक परिसर में आयोजित मंगल प्रवचन में आचार्य ब्रह्मर्षि किरीट भाईजी ने कहा जीवन और मृत्यु के बीच की यात्रा सिर्फ एक पाठशाला है। वर्तमान में हम देखतें है कि सभी ने अपने जीवन को एक बोझ बना लिया है और कई समस्याओं से घिरा हुआ है। मनुष्य रोकर पैदा होता है और शिकायत कर जीता है और अंत में इसी में मर जाता है। मां जगदम्बा ज्ञान, त्रिया और द्रव्य तीन शक्तियों से समाहित है। तुलसी परिवार ने शहर की धर्म प्रेमी जनता से मंगल प्रवचन में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

चमत्कार को नमस्कार कर आगे बढो

वर्तमान में चमत्कार का दौर चल रहा है। परम पूज्य आचार्य ब्रह्मर्षि किरीट भाईजी ने कहा चमत्कार को नमस्कार कर आगे बढ़ो। क्योंकि श्रम और कर्म के बिना जीवन को गति नहीं मिलती है। प्रतिष्ठा सभी को दें, लेकिन निष्ठा अपने इष्टदेव के प्रति रख उनमें विश्वास रखें। अगर आपको अपने इष्टदेव में विश्वास या भरोसा नहीं होगा तो आपकी प्रार्थना की सुनवाई भी नहीं होगी।

व्यास गादी से दिया स्वच्छता का संदेश

आचार्य ब्रह्मर्षि किरीट भाई ने श्री सीताजी चरित्र के मंगल प्रवचन के दौरान व्यास गादी से स्वच्छता के प्रति आमजन को जागरूक रहकर अपनी माटी का कर्ज चुकाने का आह्वान किया। उन्होंने नगर-निगम की गाड़ियों में नियमित गीला-सूखा कचरा एकत्र कर पृथक-पृथक कंटेनर में डालने की आदत बनाने के साथ प्लास्टिक की थैली की जगह पेपर, कपड़े और बांस की सुंदर थैली का उपयोग करने का आव्हान किया। रतलाम शहर के साथ प्रदेश और भारत को सुंदर व स्वच्छ बनाने का भी आव्हान किया।

शिव पार्वती की प्रस्तुति से शिवमय हुआ पाण्डाल

सीता चरित्र पर मंगल प्रवचन 2 मार्च तक होंगे। प्रतिदिन अलग अलग मनोरथ का रसास्वादन आचार्य श्री द्वारा कराया जा रहा है। सोमवार को शिव पार्वती का रूप धरे कलाकारों ने शिव नृत्य की प्रस्तुति से सीता माता के चरित्र वर्णन के साथ पाण्डाल शिवमय हो गया। भगवान भोले व पार्वती माता का रूप धारण कलाकारों का आचार्य श्री ने अभिनंदन किया। मंगल प्रवचन के पांचवे दिन 28 फरवरी को राम सीता विवाह के मनोरथ का रसास्वादन कराया जाएगा।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL

Water Work Department
Municipal Corporation Rest House, Shyamla Hills, Bhopal Ph. No.0755-2701669

NOTICE INVITING e-TENDER

Online tenders are being invited for the following work from the appropriated firm that Registered in the office of Madhya Pradesh (Central Registration Cell). The tender documents can be obtained online on the website http://mptenders.gov.in as per the Key Dates in the Notice published on the above website and detailed information can also be seen on website **http://mptenders.gov.in**

Corrigendum for this NIT shall not be issued separately in newspapers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website **http://mptenders.gov.in**

S. No.	NIT No./ Call No.	Tender ID.	Details of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (EMD)	Bid Submission End Date
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1	139/ First Call	2023_ UAD_ 254907_1	Providing laying jointing and testing of 100 mm dia DI pipe line at Chintaman choraha to Gulia dai mohalla and old allahbad bank to masjid shkur khan Azad Market ward no. 20 Under Zone 04, Bhopal.	5,33,484/-	5,335/-	10.03.2023
2	140/ First Call	2023_ UAD_ 255435_1	Construction of Room and toilet at Platinum plaza Overhead tank under Zone 21, Bhopal.	6,14,785/-	6,149/-	10.03.2023
3	141/ Third Call	2023_ UAD_ 245302_3	Supply Providing and Laying of HDPE Pipe Line 110 mm dia at Rahul Nagar Ward no-04 Under Zone no-01	3,72,806/-	3,728/-	06.03.2023
4	142/ Second Call	2023_ UAD_ 250477_2	Water Supply Arrangement for Jhuggi Area Near Nation Institute of Governers Management Ward 03 Zone 01	5,33,436/-	5,334/-	06.03.2023
5	143/ First Call	2023_ UAD_ 255518_1	Providing, Laying and Jointing of 110 mm dia HDPE Water Pipe line and restoration work at Fiza Colony Gali No -03 and Green Park Colony Ward no -13 Under Zone no -03	3,16,973/-	3,169/-	10.03.2023

T. N. 1670/022/023

Executive Engineer (H)
Municipal Corporation, Bhopal

वरिष्ठता बहाली मंच ने मुख्यमंत्री के नाम मंत्रालय ज्ञापन सौंपा

रायसेन। वरिष्ठता बहाली मंच मध्यप्रदेश ने सभी संगठनों के साथ संयुक्त रुप से ने प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि गणना करते हुए समस्त सेवा शर्तों का का निर्धारण कर वरिष्ठता की एक सुत्रीय मांग को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम ज्ञापन शिवकुमार चौबे कैबिनेट मंत्री दर्जा सामान्य वर्ग कल्याण आयोग एवं मुख्यमंत्री सलाहकार मप्र शासन, मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी , रमेशचन्द्र शर्मा राज्य मंत्री दर्जा कर्मचारी कल्याण समिति ,अवर सचिव जेपी मंडलोई स्कूल शिक्षा विभाग, जिसमें नवीन शिक्षक संवर्ग के अध्यापक शिक्षक साथियों ने सैकड़ों शिक्षकों ने ज्ञापन दिया। उल्लेखनीय है कि 1998,2001,2006,2009,2015 में भर्ती अध्यापक शिक्षकों की 1 जुलाई 2018 में अध्यापक शिक्षक संवर्ग को स्कूल शिक्षा विभाग (राज्य शिक्षा सेवा) में सहायक अध्यापक को प्राथमिक शिक्षक, अध्यापक को माध्यमिक शिक्षक एवं वरिष्ठ अध्यापक को उच्च माध्यमिक शिक्षक को नवीन शैक्षणिक संवर्ग में संविलियन के स्थान पर नवीन नियुक्ति देकर प्रथम नियुक्ति दिनांक से पुरानी सेवा को शून्य कर दिवंगत व सेवानिवृत्त शिक्षकों सहित नवीन शैक्षणिक संवर्ग को समस्त आर्थिक लाभ से वंचित कर दिया हैं,इसी मांग के संदर्भ में 12 फरवरी को 300 विकासखंडों में,19 फरवरी को 52 जिलों में वरिष्ठता बहाली मंच के ज्ञापन संपन्न हुए हैं,अब आगामी 26 फरवरी को आंबेडकर पार्क टीटी नगर में शिक्षक शिक्षा गुणवत्ता संगोष्ठी आयोजित कर मुख्यमंत्री से समस्याओं का निराकरण करने का आग्रह किया जायेगा। कर्मचारी नेता मुरारीलाल सोनी,प्रमोद सिंह पंवार,परसराम कापड़िया, रामचरण वर्मा आदि उपस्थित थे।

आज भाजपा राजा भोज मंडल के वार्ड नं. 7 में उत्तर विधानसभा की विकास यात्रा संपन्न

भोपाल। विकास यात्रा में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ,पूर्व महापौर आलोक शर्मा ने वार्ड न 7 को लगभग 2 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी, इस अवसर पर भोपाल जिला प्रभारी नवनियुक्त अध्यक्ष कृष्णमोहन सोनी मंडल अध्यक्ष गौरव गुप्ता ,सदस्य पार्षद जोन अध्यक्ष पार्षद विनीता विकास सोनी पूर्व पार्षद महेश मकवाना,अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष हरिओम आसेरी, वरिष्ट नेता पंकज चौकसे ,पार्षद शैलेश साहू ,विकास सोनी राजेश कनोजिया जी, एवं मंडल महामंत्री प्रणव शर्मा संयोजक सुरेश सेंगर प्रयेश दुबे कन्हैया यादव रोहित जैन भरत यादव संध्या संजय जैन रुकमणी मालवीय रेखा शर्मा पुष्पा आचार्य मंडल पदाधिकारी,वार्ड संयोजक, पालक मोर्चा अध्यक्ष कार्यकारणी सहित हजारों की संख्या आमजन की उपस्थिति रही।

भोपाल। आज मप्र बजट के पूर्व की परिचर्चा में मुझे आमंत्रित किया गया। विषय विशेषज्ञों के साथ हुई इस परिचर्चा में योजना एवं नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री सचिन चतुर्वेदीजी के समक्ष राहूल कोठारी पाली जी, रमेश शर्मा आदि ने मेरे द्वारा पर्यावरण संबंधी अनुसंधान तथा बजटीय प्रावधान पर सुझाव दिए गए।

इज ऑफ डूईंग बिजनेस के अन्तर्गत नवीन औद्योगिक ईकाईयों को 3 साल तक किसी भी प्रकार के लायसेंस लेने की छूट

भोपाल । फेडरेशन की मांग पर उद्योग विभाग ने 27 जनवरी 2023 को प्रकाशित मध्यप्रदेश राजपत्र क्रमांक 34 के अनुसार उद्योगों के हित में कदम उठाते हुए इज ऑफ डूईंग बिजनेस के अन्तर्गत नवीन औद्योगिक ईकाईयों को स्थापना के 3 साल तक किसी भी प्रकार के लायसेंस लेने से छूट प्रदान की है। सरकार के इस निर्णय से नवीन औद्योगिक ईकाईयों को स्थापना के प्रारंभ से लायसेंस लेने के लिए परेशान नहीं होगा अर्थात् उपबंध (1) में निर्दिष्ट तीन वर्ष की कालावधि के दौरान कोई सक्षम प्राधिकारी किसी अनुमोदन के प्रयोजन से या उसके संबंध में कोई निरीक्षण नहीं करेगा और वह अपनी ईकाई को सुचारू रूप से प्रारंभ करने और उत्पादन कार्य में अपना समय लगा सकेगी।

आर्ट लोक स्टूडियोज ऑफ रियलिस्टिक विजुलाइजेशन द्वारा दो दिवसीय सोलो सागा का आयोजन

भोपाल। आर्ट लोक स्टूडियोज ऑफ रियलिस्टिक विजुलाइजेशन द्वारा दो दिवसीय सोलो सागा का आयोजन किया जा रहा है । जिसमे परसाई उवाच के अंतर्गत हरीशंकर परसाई जी की कहानियों पर सोलो थियेटर परफोरमेंश से समारोह का प्रारम्भ हुआ।

आर्ट लोक स्टूडियो एक प्रोफेशनल संस्था है जो प्रायोगिक नाट्य परफोर्मिंग कलाओं के दृष्टिकोण से पारंपरिक नाट्य शैली के साथ आधुनिक कला विधियों का समावेश करके एक नई शैली को तलाशने एवं गढ़ने की और अग्रसर है। आर्ट लोक संस्थागो ग्रीन-गो क्लीन मिशन के अंतर्गत प्लांटेशन करती रही है। कोविड के कठिन समय मे लोगो में सकारात्मकता का प्रवाह करने के लिए ऑनलाइन फोटोग्राफी का आयोजन संस्था ने किया। सोलो थियेटर परफोरमेंस का यह संस्था का पहला प्रयोग सफल रहा । नाटक में योगेश उमाठे एवं संतोष सुमन का सशक्त अभिनय दर्शको को बांधे रखने मे सफल रहा।

मप्र नाट्य विद्यालय के निदेशक टीकम जोशी जी ने नटराज की मूर्ती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। नाटक का निर्देशन तरुण दत्त पाँडे ने किया। आर्ट लोक स्टुडियों के अध्यक्ष अपूर्व दत्त मिश्रा ने कहा कि हिंदी के प्रसिद्ध लेखक और व्यंगकार हरिशंकर परसाई की कहानियों पर आधारित सोलो थियेटर परफॉर्मेंस का आयोजन पद्मश्री गुलवर्धन जी, शांति बर्धन जी एवं के. जी. त्रिवेदी जी की स्मृति में आयोजित किया गया है। हमने सोलो थियेटर फेस्टीवल के द्वारा प्रयोग की शुरुआत की है । नये रास्ते खोजने व नया करने का हमारा प्रयास जारी है। हम सभी को आप दर्शको का धन्यवाद करते है। यह प्रोग्राम कल शाम भी आयोजित किया जाएगा । इस कार्यक्रम की विशेषता यह भी रही कि नाटक के बाद इंटरेक्शन सेशन रखा गया जिसमे नाटक को देखने के पश्चात दर्शको की जिज्ञासा को संतुष्ट करने का प्रयास किया गया।

नोप ने भारत में लॉन्च की स्मार्ट गैजेट्स और मोबाइल एक्सेसरीज़ की पहली रेंज

15 ब्राण्ड पार्टनर्स, 370 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ नोप ने मोबाइल एक्सेसरीज़ एवं स्मार्ट गैजेट्स की पहली रेंज को भारत में लॉन्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी। जनरेशन ज़ी एवं युवाओं को बेहतरीन फंक्शनेलिटी वाले गैजेट्स एवं स्मार्ट वियरेबल्स उपलब्ध कराने वाले स्वदेशी ब्राण्ड नोप ने भारतीय बाज़ार के लिए मोबाइल एक्सेसरीज़ एवं गैजेट्स की पहली रेंज का लॉन्च किया। ब्राण्ड आज के युवाओं को ध्यान में रखते हुए अपने प्रोडक्ट्स लेकर आता है, जिनके लिए बेहतरीन गुणवत्ता ही सबसे ज़्यादा मायने रखती है। नोप की मैनुफैक्चरिंग और इसका सौ फीसदी स्वदेशी होना इसकी सबसे बड़ी खासियत है। ब्राण्ड की प्रोडक्शन युनिट से लेकर इसके प्रोडक्ट्स के डिज़ाइन एवं वितरण तक सभी पहलु पूरी तरह से स्वदेशी हैं। नोप एक ओईएम (ओरिजिनल उपकरण निर्माता) है और अपने खुद के प्रोडक्ट्स बनाती है। मैनुफैक्चरिंग के लिए यह थर्ड पार्टी वेंडर के सोर्सिंग उपकरणों या असेम्बलिंग प्रोडक्ट्स पर निर्भर नहीं है। नोप शुरूआत से ही गुणवत्ता नियन्त्रण पर फोकस बनाए हुए हैं और यही वह चीज़ है जो इसे उद्योग जगत के अन्य प्लेयर्स से अलग बनाती है।

नोप के शानदार प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में शामिल हैं- इसके फ्लैगशिप नैकबैण्ड, ये वायरलैस ईयरफोन्स कई वेरिएन्ट्स में उपलब्ध हैं, टीब्डब्लयूएस ईयरबड्स की सीरीज ईको, नियो, बड्डी और शॉट्स तथा ब्लूटुथ स्पीकर्स- द 'बूम' और द 'बज़' - जिन्हें युवा पीढ़ी के लिए डिज़ाइन किया गया है। नोप के नैकबैण्ड और ईयरबड्स कुछ बेहतरीन फीचर्स के साथ आते हैं जैसे टाईप सी फास्ट चार्जिंग, गूगल असिस्टेन्ट और सिरी सपोर्ट इनोबल्ड, टच कंट्रोल और 13 एमएम ड्राइवर्स।

नोप स्मार्ट गैजेट्स और मोबाइल एक्सेसरीज़ की व्यापक रेंज भी लेकर आता है जिसमें स्मार्ट वॉचेज़, फिट बैण्ड्स, यूएसबी चार्जर्स, यूएसबी और टाईप-सी चार्जिंग केबल्स, कार चार्जर्स, पावर बैंक्स और वायरलैस चार्जर शामिल हैं।

इस कैटेगरी में बोट, नॉइस और मिवी जैसे प्लेयर्स के बीच- नोप ने उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपना सशक्त वितरण नेटवर्क बनाया है। नोप के 15 से अधिक ब्राण्ड पार्टनर्स, 370 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर्स और 30000 से अधिक रीटेल पॉइन्ट्स तथा आकर्षक साझेदारी मॉडल एवं आर ऐंड डी उल्लेखनीय भूमिका निभायेगी।बी2बी डिस्ट्रीब्यूशन चैनल से लेकर ऑनलाईन मार्केटप्लेसेज़ तक, ब्राण्ड ओमनीचैनल नेटवर्क पर 360 डिग्री ज़ोर देता है। इसका अपना प्रॉपराइटरी प्लेटफॉर्म ब्राण्ड के गुणवत्ता उन्मुख दृष्टिकोण पर काम करता है।

केशव अरोड़ा के नेतृत्व में ब्राण्ड नोप ने अपनी प्रोडक्ट्स रेंज के साथ युवाओं के दिलों में खास जगह बनाई है और ब्राण्ड देश के आश्वस्त युवाओं की उम्मीदों पर खरा उतरा है। केशव के पास सेल्स और मार्केटिंग में 22 साल से अधिक का अनुभव है, इस मौके पर उन्होंने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए इस बात पर रोशनी डाली कि उपभोक्ताओं को ब्राण्ड से क्या उम्मीदें हैं। ''हमें खुशी है कि हम सर्वश्रेष्ट तकनीक एवं गुणवत्ता से युक्त स्मार्ट गैजेट्स और मोबाइल एक्सेसरीज़ के साथ इनोवेशन में नई लहर की शुरूआत कर रहे हैं। हम अपने उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए हमेशा प्रयासरत हैं, जो हमेशा यंग, फ्रैश और ब्राईट रहना चाहते हैं, उनके ये मूल्य हमारे ब्राण्ड के अनुरूप हैं। हम हमेशा से युवाओं को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता देते हैं और उन्हें स्मार्ट और भावी टैक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं। आने वाले समय में हम भारत का सबसे बड़ा स्मार्ट गैजेट एवं मोबाइल एक्सेसरी ब्राण्ड बनना चाहते हैं।

एनएआर-इंडिया ने 000 करोड़ का व्यापार जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। एनएआर-इंडिया (भारतीय रियलटर्स राष्ट्रीय संगठन), भारत में रियलटर्स के सबसे बड़े संगठन ने अपने वार्षिक सम्मेलन नारवीगेट 2023 के 15 वें संस्करण की घोषणा की, जो कोयम्बटूर में इस वर्ष के मार्च में होगा। सम्मेलन 2000 से ज्यादा इंडस्ट्रीस्टेक होल्डर की मौजूदगी में होने वाला दो-दिवसीय कार्यक्रम है। सम्मेलन का नाम नारवीगेट 11 76, शहर और पीएसजी सम्मेलन केंद्र के स्थान निर्देशांकों पर आधारित है, जहाँ इसकी मेज़बानीकोयम्बटूर एसोसिएशन ऑफ रियलटर्स करेगा. सम्मेलन का लक्ष्य देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न प्रकार के रियलएस्टेट से जुड़े मौजूदा अवसरों को तमाम हितधारकों को दर्शाना और इस प्रकार .10 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के भारत के लक्ष्य में योगदान देना है। व्यवसायिक दिग्गज भारतीय रियलएस्टेट सेक्टर के वर्तमान और भविष्य रुझान की चर्चा करने एकत्रित होंगे। यह सम्मेलन एक बहुप्रतीक्षित और भारत समेत अन्य देशों के रियलएस्टेट उद्योग के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। पूर्व के वर्षों में हुए कार्यक्रमों के अनुसार, नारवीगेट 2023 सरकार, नियामक निकायों और रियलएस्टेट सेक्टर के गणमान्य व्यक्तियों को संग लाएगा। भारत और अन्य देशों के रियलटर, डेवलपर, निवेशक और वित्तीय संस्थान मिलेंगे, सीखेंगे और अहम कारोबारी रिश्ते बनाएंगे। इस ओर एक अहम कदम है 18-18-18 डिजिटलीकरण पहल, जिसके तहत 18 मार्च को 18:18 बजे एनएआर-इंडिया के एक ही आह्वान पर 2000+ ब्रोकर्स, बिल्डर्स और बैंकर्स एक ही तकनीकी मंच पर ऑन-बोर्ड आकर अपनी ब्रांड्स के तहत रियलएस्टेट सूचीबद्ध करेंगे, दर्शाएंगे और कारोबार करेंगे।

निर्वाचित-अध्यक्ष सी.आर. शिवकुमार के पास महत्वाकांक्षी दृष्टि है आधुनिकतम तकनीक का लाभ उठाने की और हर एनएआर इंडिया रियलटार को अपने ब्रांड, तकनीक और नेटवर्क के संग समान स्तर का मंच प्रदान करने की, ताकि वोरियलएस्टेट के श्रेष्ठ और नवीनतम से स्पर्धा कर सकें। एनएआर-इंडिया के साथ साझेदारी में, सीओएआरईए शीर्षक प्रायोजक के रूप में कासाग्रेंड और नॉलेजपार्टनर के रूप में जीआरडी स्कूल ऑफ बिजनेस, कोयम्बटूर के साथ कार्यक्रम की मेज़बानी कर रहा है। इसके अलावा, उद्योग के दिग्गजों सहित मुख्य वक्ता होंगे, (एम.एन. अरुण, डॉ. सुमित चौधरी, पुष्यमित्रभार्गव , सुदर्शन लोढ़ा, पी.सी. मुस्तफा, सुमित जैन, शालिनी सरस्वती, श्रीधरवेम्बु, सद्गुरु जग्गी वासुदेव और कई अन्य)इस कार्यक्रम के बारे में एनएआर इंडिया के निर्वाचित अध्यक्ष सी.आर. शिव कुमार ने कहा, रियलएस्टेटब्रोकरेज हमेशा से एक ऐसा पेशा रहा है जो हर घर खरीदार, हर उद्योगपति, हर संस्थान, हर निवेशक को अपना सपना पूरा करने में सक्षम बनाता है। इस उद्योग को पेशेवर बनाना और इसे लोगों के लिए ज्ञान आधारित सेवा बनाना इस वर्ष एनएआर-इंडिया का उद्देश्य होगा।

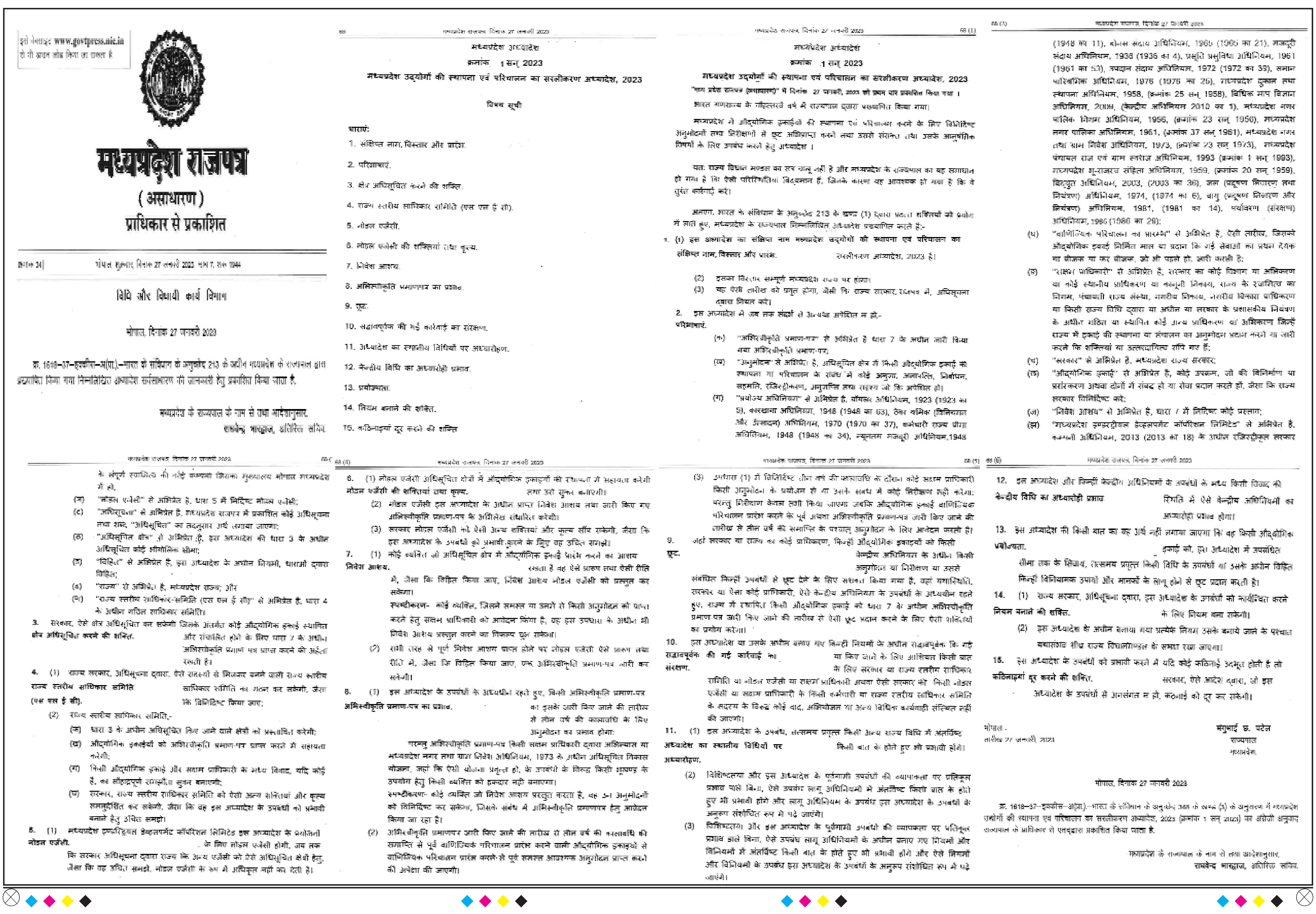

इसे वेबसाइट www.govtpress.nic.in से भी डाउन लोड किया जा सकता है

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 34] भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 27 जनवरी 2023—माघ 7, शक 1944

विधि और विधायी कार्य विभाग

भोपाल, दिनांक 27 जनवरी 2023

मध्यप्रदेश अध्यादेश

क्रमांक 1 सन् 2023

मध्यप्रदेश उद्योगों की स्थापना एवं परिचालन का सरलीकरण अध्यादेश, 2023

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राजेन्द्र भारद्वाज, अतिरिक्त सचिव.

पति के हत्यारे पति को आजीवन कारावास

आग के हवाले कर तड़प तड़प कर हुई थी मौत, दूसरी शादी करना चाहता था सफी

छिंदवाड़ा । अपर सत्र न्यायालय अमरवाड़ा के अतिरिक्त अपर सत्र न्यायाधीश अजयनील करोठिया द्वारा थाना अमरवाड़ा के अपराध क्रमांक 559/2019, सत्र प्रकरण क्रमांक 89/2019, धारा 302,436 भादवि अंतर्गत ग्राम पिंडरई डबीर चौकी सिंगोड़ी थाना अमरवाड़ा निवासी शेख सफी पिता शेख मुस्ताक, उम्र 45 वर्ष को आजीवन सश्रम कारावास एवं जुर्माने से दंडित किया गया है। प्रकरण मे सरकार एवं मृतिका की ओर से पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक अखिल सोनी द्वारा घटना के सम्बंध में बताया गया कि 12 अक्टूबर 2019 की रात्रि लगभग 11 बजे मृतिका एवं बच्चे पिंडरई स्थित अपने घर मे खाना खाकर सो गए थे, रात्रि लगभग 2:00-2:30 बजे आरोपी सफी घर आकर मृतिका शमशाद से दूसरी शादी करने को लेकर वाद विवाद करने लगा और कहने लगा कि तू मेरे पसंद की नहीं है, मैं तुझे जिंदा नहीं रहने दूंगा और मृतिका शमशाद के ऊपर मिट्टी का तेल डालकर माचिस से आग लगा दिया। शमशाद के चिल्लाने पर सभी बच्चे नींद से जाग गए और बच्चों के सामने आरोपी सफी वहां से भाग गया। जलती हुई अवस्था में मृतिका घर के बाहर निकली तब आपसी रिश्तेदारो एवं मोहल्ले के लोगों ने मिलकर मृतिका के शरीर मे लगी आग बुझाने कोशिश की एवं तत्काल उपचार हेतु जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा ले गए जहां अस्पताल चौकी द्वारा घटना की सूचना पर आवश्यक कार्यवाही की गई एवं मृतिका के उपचार के साथ मरणासन्न कथन तहसीलदार द्वारा लेख किए गए । 13 अक्टूबर 2019 को सुबह लगभग 8 बजे मृतिका शमशाद की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। अस्पताल चौकी छिंदवाड़ा द्वारा मृत्यु की सूचना पश्चात मर्ग जांच एवं आवश्यक कार्यवाही की गई।घटनास्थल ग्राम पिंडरई चौकी सिंगोड़ी थाना अमरवाड़ा होने के कारण मर्ग डायरी थाना अमरवाड़ा भेजी गई, जहां मर्ग पंजीबद्ध कर धारा 302 भादवि अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई, थाना अमरवाड़ा अंतर्गत चौकी सिंगोड़ी प्रभारी उप निरीक्षक महेंद्र भगत द्वारा प्रकरण की विवेचना की गई साक्षियों के कथन लेख किए गए जिसमें साक्षियों द्वारा बताया गया है कि आरोपी सफी मृतिका शमशाद को पसंद नहीं करता था एवं दूसरी शादी करने को लेकर हमेशा वाद-विवाद करता रहता था, इसी वजह से घटना के चार माह पूर्व एक बार खेत में मृतिका शमशाद को करंट लगाकर जान मारने की कोशिश भी की थी। पुलिस द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर नुकसानी पंचनामा तैयार किया गया, घटना से संबंधित अन्य साक्ष्य संकलित व जप्त कर शेष संपूर्ण विवेचना कर आरोपी शेख सफी के विरुद्ध धारा 302 के साथ 436 भादवि का इजाफा कर अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया । न्यायालय द्वारा साक्षियों के कथन एवं अन्य साक्ष्य के आधार पर आरोपी शेख सफी को धारा 302,436 भादवि के अधीन दोष सिद्ध पाते हुए आजीवन सश्रम कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया गया।

संस्कार, सुरक्षा, एवं फिजिकल को मजबूत करने संकल्प लिया

छिन्दवाड़ा । अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद एवं जय जवान फिजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान मे पांच किलोमीटर दौड करके समाज में संस्कार, सुरक्षा, एवं फिजिकल को मजबूत करने के लिये संकल्प लिया गया। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष सेवानिवृत सूबेदार मोहन घंगारे ने बताया की समाज मे धीरे धीरे संस्कारो मे कमी आ रहीं हैं जिससे की आपराधिक मामलो मे बढ़ोतरी देखने को मिल रहीं हैं। परिवार के जिम्मेदार व्यक्तियों को बच्चो मे उचित संस्कार दिया जाना चाहिये। साथ ही कोनसे कार्य उचित हैं कोनसे कार्य अनुचित हैं उनकी जानकारी बच्चो को पहले से बतानी चाहिये जिससे की एक मजबूत समाज का निर्माण हो सके। साथ ही कहा की सुरक्षा के प्रति हमेशा सजक एवं सावधान रहना चाहिये। फिजिकल पर बोलते हुए उन्होंने बताया की प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को फिट रखले तो उससे भी देश के विकास को गति प्राप्त होंगी। इस अवसर पर प्रशिक्षक सौरभ कवरेती, प्रशिक्षक नीरज कुलतियां, रघुनन्दन वर्मा, अजेश कुमरे, पूर्व सैनिक श्री परमात्मा प्रसाद शुक्ल, सुभाष साहू, जीतेन्द्र सिंह राजपूत एवं जय जवान के सभी सैनिक अन्य नागरिक सम्मलित रहे।

आप के सांसद संजय सिंह को तुरंत गिरफ्तार करें: मोहने

प्रधानमंत्री मोदी पर की अभद्र टिप्पणी

छिंदवाड़ा । भाजपा नेता व लोकतंत्र सेनानी दीनदयाल मोहने ने आप के सांसद संजय सिंह द्वारा प्रेस कान्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी पर अभद्र टिप्पड़ी की निंदा करते हुए संजय सिंह को तुरन्त गिरफ्तार करने की मांग की है श्री मोहने ने कहा कि मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं और एक सांसद द्वारा अडानी को लेकर अभद्र टिप्पड़ी करना देश का अपमान करना है अत: संजय सिंह को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए।

संगठनात्मक विस्तार...

पदाधिकारियों की बैठक कर की चर्चा

छिंदवाड़ा । शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम एवं वार्ड में सड़क बिजली पानी एवं साफ सफाई हेतु विशेष अभियान चलाने को लेकर वार्ड क्रमांक- 2 के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष दुर्गा साहू की उपस्थिति में आहूत की गई इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए श्री साहू ने कहा कि क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं वार्ड समन्वयक की बैठक में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ द्वारा वार्ड में सक्रियता बनाते हुए जनहित के मुद्दे उठाने के निर्देश दिए गए थे उनकी मंशा के अनुरूप हमें कार्य करना है बैठक में वार्ड समन्वयक मुकेश उपाध्याय ने बताया कि वार्ड में साफ सफाई का अभाव है अनेकों जगह विधुत खम्बे में लाईट नही है इसी तारतम्य में रचनात्मक कार्यक्रम करने पर चर्चा की गई साथ ही सगंठन के विस्तार के लिए नये लोगों को जोड़ने पर विशेष बल देने पर सभी ने सहमति व्यक्त की इस अवसर पर वार्ड क्रमांक- 2 के अध्यक्ष सुनील इगंले ने उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ड क्रमांक- 2 में शीघ्र ही मोर्चा संगठनों एवं प्रकोष्ठ विस्तार किया जाएगा इस दौरान प्रमुखत:आकाश सिंह भारद्वाज फरहान आजमी राजू विश्वकर्मा राजेश यादव विशाल सोनी गोपाल ऊईके आदि उपस्थित थे।

1 मार्च से प्रारम्भ होगी एमपीपीएससी, एसएससी, बैंक, रेलवे की नि:शुल्क कोचिंग

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं सांसद नकुलनाथ के प्रयत्नों से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निन्शुल्क कोचिंग की कक्षायें 1 मार्च प्रारम्भ होगी। जिले के जरूरतमंद युवाओं के द्वारा प्रत्येक दौरे में नेताद्वय से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निन्शुल्क शिक्षा हेतु निवेदन करते हैं। जिले के जरूरतमंद एवं होनहार छात्र-छात्रायें आर्थिक रूप से कमजोर होने की वजह से शिक्षा पाने से वंचित ना हो इसीलिये युवाओं की मांग को मानस पटल पर रखते हुये एमपीपीएससी, बैंक, रेलवे, पटवारी भर्ती, एसआई, पुलिस आरक्षक आदि की परीक्षाओं की निन्शुल्क कोचिंग 1 मार्च से प्रारम्भ की जा रही है। जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। नियमित उपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों को निन्शुल्क किताबें भी प्रदान की जावेगी। विद्यार्थियों को निन्शुल्क कोचिंग के साथ योग, मेडिडेशन क्लासेस के साथ लाइब्रेरी सुविधा भी प्रदान की जावेगी जिसमें विद्यार्थी लाइब्रेरी में बैठकर अपनी पढ़ाई कर सकेंगे। कक्षायें प्रतिदिन 3 बजे से 6 बजे तक सोनी कंप्यूटर एजुकेशन गुलाबरा में लगेंगी। अब तक 557 विद्यार्थियों द्वारा आवेदन किया जा चुका है, जिला कांग्रेस कौशल विकास समन्वयक आतिश ठाकरे द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार अब तक 557 विद्यार्थियों द्वारा आवेदन किया जा चुका है। जिसमें एमपीपीएससी के लिये 92, पुलिस आरक्षक हेतु 89, पटवारी भर्ती हेतु 88, रेलवे 52, एसएससी 51, एसआई हेतु 26 एवं शेष अन्य परीक्षाओं के लिये आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

अधीक्षक की एक वेतन वृध्दि रोके जाने का आदेश पारित

छिन्दवाड़ा । सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य सत्येन्द्र सिंह मरकाम द्वारा जिले के विकासखंड जुन्नारदेव के ग्राम रामपुर के आदिवासी बालक आश्रम के अधीक्षक (प्राथमिक शिक्षक) शिवदानशाह नर्रे को जारी कारण बताओ सूचना पत्र का उत्तर समाधानकारक नहीं होने पर श्री नर्रे की एक वेतनवृध्दि असंचयी प्रभाव से रोकी जाने के आदेश पारित किये गये हैं तथा दण्डादेश जारी कर प्रकरण समाप्त कर दिया गया है ।

गर्मी आने के पूर्व पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ बनाने वार्डो में पहुंचे महापौर

छिंदवाड़ा । नगर निगम महापौर विक्रम अहके ने ग्रीष्म काल को दृष्टिगत रखते हुए शहर के विभिन्न भागों में पहुंचकर जल प्रदाय व्यवस्था की समीक्षा की। महापौर ने ऐसे स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश दिए जहां पर ग्रीष्म काल के दौरान जल प्रदाय में समस्या होने की संभावना है एवं चिन्हांकित के तीन स्थानों पर तत्काल व्यवस्था बनाने के निर्देश प्रदान किए। महापौर विक्रम अहके ने इस दौरान आवश्यकता के अनुसार नई पाइप लाइन बिछाने एवं ट्यूबवेल लगाने के निर्देश भी दिए।महापौर विक्रम अहके ने कहा कि शहर वासियों को किसी भी परिस्थिति में पेयजल की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा इसके लिए हर संभव प्रयास नगर पालिक निगम द्वारा किए जाएंगे। इस दौरान जल प्रदाय के सभापति प्रमोद शर्मा एवं उपयंत्री भानूप्रताप सूर्यवंशी भी उपस्थित रहे।

घटिया किस्म का चावल खाने को मजबूर गरीब

सौसर । वर्तमान में गेहूं के भाव आसमान छू रहे गेहूं की रोटी गरीबों से दूर होती जा रही है ऐसे में मजबूरन घटिया किस्म का चावल खाने के लिए गरीब मजबूर है बीते 8 माह से अधिक का लंबा समय हो गया है राशन दुकान से मात्र प्रति यूनिट 1 किलो गेहूं मिल रहा है जो प्रतिमाह एक व्यक्ति 1 किलो गेहूं का आटा महीने भर खा सके मुनासीब नहीं है और यह सब सत्ता में बैठे आला अधिकारी से लेकर संत्री मंत्री तक समझते हैं रही बात चावल की तो चावल भी राशन दुकान से ऐसा मिल रहा है कि उसकी कोई किस्म नहीं है जानवर तक इस चावल को नहीं खा सकते मजबूरन ग्राहक इसे दलालों को बेच रहे हैं जो चावल दलाल खरीद रहे वह आगे बडे व्यापारी को बेच रहे हैं जो शराब बनाने की उपयोग में लाने की बात सामने आ रही है तो कुछ बिचौलिए इसे खरीद कर समीपस्थ जिला बालाघाट ले जाकर फिर से इसी घटिया चावल की मिलिंग कर वापस नागरिक आपूर्ति निगम से सांठगांठ कर राशन दुकान में बटने की बात सामने आ रही है गरीबों को राशन दुकान से पर्याप्त गेहूं नहीं मिल रहा है बाजार में गेहूं का मूल्य 32 से 35 रू. तक हो गया है जो गरीब नहीं खरीद पा रहा है सरकार समर्थन मूल्य पर किसानों से गेहूं खरीदी की बात कर रही है जिसके पंजीयन का आज अंतिम दिन है गत वर्ष पंजीयन का आंकड़ा 50 हजार के पार था किंतु इस वर्ष किसानों को मंडी में गेहूं के दाम अच्छे मिलने के चलते किसान सरकार को संभल समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने की रूचि नहीं दिखा रहे हैं इसी कारण अब तक सिर्फ 19 हजार किसानों द्वारा ही गेहूं समर्थन मूल्य पर बेचने पंजीयन कराया है इससे साफ जाहिर है कि बाजार में गेहूं का मूल्य अधिक है समर्थन मूल्य बाजार से कम है तो सरकार को किसान कम दाम में गेहूं क्यों देगी यह भी सोचनीय है इस बात को लेकर यह भी बात सामने आ रही है कि सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में गेहूं का भंडारण नहीं हो पाएगा और यही बहाने का सरकार रोना रोएगी कि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में गेहूं नहीं है जो हम गरीबों को दे सकें जानकारों का कहना है कि बीते समय में केंद्र सरकार ने पड़ोसी देश में आई आपदा में मदद के रूप में गेहूं भेजा गया किंतु विडंबना की बात है कि आज देश के ही गरीबों को पर्याप्त मात्रा में गेहूं नहीं मिल पा रहा है तो पड़ोसी देश को मदद की क्या जरूरत है।

विकास यात्रा में डेढ़ करोड़ से अधिक का भूमि पूजन

विकास ग्राम चारगांव प्रहलाद, लकड़ाई जम्होडी, नेर जमुनिया, पिपरिया लालू ,राजा खोह पहुंची

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा विधानसभा के सारना मंडल के ग्राम चारगांव प्रहलाद, लकड़ाई जम्होड़ी, नेर जमुनिया, पिपरिया लालू राजाखोह में विकास यात्रा पहुंची । विकास यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू द्वारा ग्राम चारगांव प्रहलाद, लकड़ाई जम्हाड़ी, नेर जमुनिया, पिपरिया लालू राजाखोह में डेढ़ करोड़ से अधिक के भूमिपूजन हुआ जिनमें खेल मैदान समतलीकरण, सी.सी.रोड, पुलिया निर्माण, चैकडेम, अतिरिक्त कक्ष, नाडेप निर्माण, स्टाप डेम, आंगनवाड़ी भवन सहित विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन किया । कार्यक्रम के दौरान ग्राम लकड़ाई जम्होड़ी में कलीराम परतेती सरपंच पति और संतोष मरोड़े की पुन: भाजपा में वापसी हुई भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू द्वारा पार्टी का गमछा पहनाकर स्वागत किया गया । विवेक बंटी साहू ने कहा कि प्रदेश में जब भाजपा सरकार आयी थी तब सिंचाई का कुल रकबा 6.2 लाख हेक्टेयर था। अनाज उत्पादन की दृष्टि से मध्यप्रदेश एक बीमारू राज्य था। अनाज को खपत के सामने उत्पादन इतना कम था कि अपने को केंद्र की ग्रांट पर निर्भर रहना पड़ता था। केंद्र की कांग्रेस सरकार विदेश से जानवरों के खाने वाला लाल गेहूं ऊंचे दामों पर आयात करती थी। अपने गरीब भाई बहनों को राशन से वही गेहूं वितरित किया जाता था। यह ग्रांट भी रोक दी गई थी तब उसके लिए भी अपने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी तत्कालीन केंद्रीय मंत्री शरद पवार के पास हाथ फैलाने जाना पड़ा। तब शरद पवार ने कहा था कि गेंहू तो हमारे पास है लेकिन मध्यप्रदेश के लिए नहीं है। क्योंकि मध्यप्रदेश तो मुठ्ठी भर भी उत्पादन नहीं करता और आप कोटे की मांग करने चले आए। शरद पवार का यह एक कटाक्ष शिवराज सिंह जी के दिल पर लग गया और उन्होंने उसी क्षण यह संकल्प लिया की अपने मध्यप्रदेश को अनाज उत्पादन में नंबर वन बनाना है। उन्होंने नई कृषि नीति बनाई और आज उसी नीति का परिणाम है कि अपने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश भारत सरकार की ओर से कृषि क्षेत्र में दिया जाने वाला सर्वश्रेष्ठ ''कृषि कर्मण'' अवार्ड लगातार 6 वर्ष से हासिल करने का गौरव प्राप्त करने वाला प्रदेश बन गया है। मध्यप्रदेश, सोयाबीन एवं दलहन उत्पादन में भी सुविख्यात है। हमारा प्रदेश सोयाबीन, चना, उड़द, तुअर, मसूर, अलसी के उत्पादन में प्रथम स्थान एवं मक्का, तिल, रामतिल, मूंग के उत्पादन में द्वितीय स्थान तथा गेहूं, ज्वार, जौ के उत्पादन में देश में तृतीय स्थान पर है।

मंगल कलश शौभा यात्रा निकली, ध्वजारोहण कर सिद्धचक्र विधान का हुआ शुभारंभ

छिन्दवाड़ा । फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तक नौ दिनों चलने वाले जैन दर्शन के अनादि निधन शाश्वत महापर्व अष्टान्हिका का मंगलमय शुभारंभ सोमवार के शुभ दिन हुआ।इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में श्री आदिनाथ दिगम्बर जिनालय अहिंसा स्थली गोल गंज में श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का भव्य शुभारंभ मंगल कलश शौभायात्रा से किया गया।जिसका शुभारंभ विधान के आयोजक श्रीमती ऊषाकिरण, सुमितराज, सुदीपराज जैन के निवास गोल गंज से किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्राविकाओं ने मंगल कलशों के साथ, अष्ट मंगल द्रव्य एवं जिनवाणी माता को मस्तक पर विराजमान कर मंगलगान के साथ नगर का भ्रमण करते हुए श्री आदिनाथ जिनालय पहुंची जहां मंगल कलशों सहित अष्ट मंगल द्रव्य एवं जिनवाणी माता को विराजमान किया गया।

जिनालय पर हुआ ध्वजारोहण

अष्टान्हिका पर्व के शुभारंभ पर जिनालय ध्वजारोहण किया गया जिसका सौभाग्य आयोजक परिवार के साथ अतिथि विद्वान पं. कांतिलालजी जैन इंदौर, मंगलार्थी अनुभवजी शास्त्री करेली, पं. ऋषभ शास्त्री, मण्डल के मंत्री अशोक वैभव, फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन, डॉ. के.सी. जैन, प्रकाश अहिंसा, संजय कौशल, सचिन जैन सहित अन्य श्रावकगणों को प्राप्त हुआ।

श्री सिद्धचक्र विधान का हुआ शुभारंभ

ध्वजारोहण के पश्चात श्री आदिनाथ जिनालय में सिद्धचक्र महामण्डल विधान का शुभारंभ हुआ जिसमें विधानाचार्य द्वारा सौभाग्यशाली इंद्र - इंद्राणियों में विधि विधान द्वारा इंद्र प्रतिष्ठा विधि कराई गई पश्चात श्री जिनेन्द्र पूजन, संभवनाथ भगवान की पूजन कर श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान की प्रथम पूजन कर सिद्ध परमेष्ठी भगवंतों को अर्घ समर्पित किये गए।

मंगल प्रवचनों का मिला लाभ

मंगल महोत्सव पर करेली से पधारे युवा विद्वान मंगलार्थी अनुभवजी शास्त्री ने बहुत सुंदर एवं ह्रदय स्पर्शी शैली में अनन्त सिद्ध परमेष्ठी भगवंतों के साथ जिनागम का महत्व बताया साथ ही जैन गणित के आधार पर नन्दीश्वरद्वीप का वर्णन करते हुए उसमें विराजमान जिनबिम्बों का स्वरूप बताकर अष्टान्हिका महापर्व एवं सिद्धचक्र विधान की महिमा बताई। इस अवसर पर सकल समाज ने जैन रत्न पण्डितश्री डॉ. संजीवकुमारजी गोधा के वीडियो प्रवचनों का लाभ लेकर जिनशासन की मंगल प्रभावना की।

श्रीमद भगवदगीता समस्त मानव कल्याणार्थ ग्रन्थ

47 हजार विद्यार्थियों को बांटे पुरुस्कार

छिंदवाड़ा । श्री शक्ति ट्रस्ट एवं संस्कृत पुस्तकोन्नति सभा द्वारा संचालित सन्त श्री आशारामजी आश्रम खजरी ने गत 3 दिसम्बर को पूरे जिले में गीता ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन करवाया था। जिसमें जिले के हजारों स्कूलों के लगभग 47 हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया था। हमारे शास्त्रों में गीता, गंगा और गाय का विशेष महत्व है। श्री मद भगवदगीता समस्त मानव कल्याणार्थ ग्रन्थ है। बच्चों में , विद्यार्थियों में गीता ज्ञान का संचार हो, सनातन संस्कृति के महत्व से अवगत हों, इस निमित्त प्रतिवर्ष ऐसे आयोजन सम्पन्न करवाये जाते हैं । श्री योग वेदांत सेवा समिति ने 3 दिसम्बर के 2 माह पूर्व ही ब्लाक स्तर की सभी समितियों के माध्यम से गाँव-गाँव के सभी सरकारी, अर्धसरकारी एवं प्रायवेट स्कूलों में पहुँचकर लिखित प्रतियोगिता सम्पन्न करवाई। जिसमें लगभग 5 हजार विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत अंक लाये , उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किये; वहीं अन्य विद्यार्थियों को सत्साहित्य, ऋषि प्रसाद, श्रीमद भगवदगीता एवं अन्य जीवन उपयोगी साहित्य भेंट स्वरूप दिया । समिति ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर उनके माध्यम से ही प्रमाण पत्र वितरण करवाये। मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य ललिता घोंघे , अंत्योदय समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व जिला भाजपा कोषाध्यक्ष विलास घोंघे, लिंगा ग्राम के सरपंच रूपेश कराड़े गागी वाड़ा की सरपंच सँगीता परतेती, खापा कला के सरपंच राहुल वर्मा उपस्थित रहे । इस दैवीय कार्य मे साध्वी रेखा बहन, साध्वी प्रतिमा बहन, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई,खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, गुरूकुल की संचालक दर्शना खट्टर , युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोड़े , विशाल चवुत्रे,सुजीत सूर्यवंशी, सुभाष इंग्ले, अशोक कराडे, शम्भूदयाल साहू महिला समिति से सुमन दोईफोड़े, छाया सूर्यवंशी, दीपा डोडानी, डॉ. मीरा पराडकर, पूनम मक्कड़, शिवानी साहू आदि ने अपनी अपनी सेवाए दी ।

नाबालिग को न्याय दिलाने वाल्मीकी समाज ने सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । वाल्मिकी समाज न्यास के सदस्य सिद्धांत सिद्धू थनेसर ने वाल्मिक समाज के सैकड़ो युवाओं द्वारा छिंदवाड़ा के श्याम टॉकीज क्षेत्र में हुई 5 वर्षीय बिटिया के साथ अमानवीय कृत्य का पुरजोर विरोध कर कलेक्टर से दोषियों के फांसी की सज़ा सुनिश्चित करने एवम् फास्ट्रेक कोर्ट के माध्यम से जल्द से जल्द सज़ा देने की मांग की गई। एवम् प्रशासन को यह चेतावनी दी गई की जल्द से जल्द फांसी की सज़ा नही दी जाएगी तो वाल्मिकी समाज का युवा सड़क पर उतर कर जंगी आंदोलन करेगा। मुख्य रूप से वार्ड क्रमांक 23 के पार्षद एवम् वाल्मिकी समाज न्यास अध्यक्ष जगदीश गोदरे , चमन गोदरे, मनदीप मेहरोलिया, गोविंद करोसिया जीए अंकित चौहान, मीत पवार, साहिल पवार, विशाल करोसियां, बॉबी पवार, पंकज बहोत, राजा मेहरोलिया, यश मेहरोलिया, गुलशन पवार, नवीन पवार, विक्कू पवार, अभय चौहान, जतिन पवार, रत्नेश गोडरे, क्रिश भाई भोला भाई एवम् समस्त वाल्मिक समाज न्यास के सैकड़ो युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बिछुआ में अवैध शराब की बिक्री को लेकर युवक कांग्रेस ने खोला मोर्चा, सौंपा

बिछुआ । आदिवासी अंचल में लगातार बढ़ती अवैध शराब की बिक्री को लेकर ब्लॉक युवक कांग्रेस के द्वारा मोर्चा को लगाया। ब्लॉक युवक कांग्रेस ने तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर अवैध शराब की बिक्री प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया की बिछुआ ब्लाक के हर आधा किलोमीटर दूर स्थित ग्राम में कुचिया खोलकर अवैध शराब बेची जा रही है। नशे की लत की वजह से समाज का युवा वर्ग तबाही की ओर लगातार अग्रेसर हो रहा है। गांव गांव में ठेकेदार के गुर्गे द्वारा अवैध रूप देशी व विदेशी मंदिरा बेची जा रही है। ज्ञापन सौंपते समय सांसद प्रतिनिधि पंडित अवधबिहारी दुबे, जिला महामंत्री इन्द्रपाल सिंह पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हरि पंद्रे, युवक कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष रिंकू पटेल, पार्षद राजकुमार मरावी, रग्घु माण्ड़ेकर, विपिन उइके समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गण मौजूद रहें। बता दें कि क्षेत्र के गांव गांव के देशी विदेशी शराब की खुलेआम बिक्री इन दिनों की जा रही है। पुलिस व आबकारी विभाग की ठेकेदार से मिली भगत के चलते अवैध देशी विदेशी शराब की बिक्री धड़ल्ले से जारी है। इन मुद्दों को भी किया गया समाहित - छिंदवाड़ा में 5 वर्षीय मासूम बालिका के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में आरोपी को फांसी की सजा देने, बढ़ती मंहगाई व बेरोजगारी पर नियंत्रण करने की गुहार भी राज्यपाल से लगाई गई। कार्यवाही न होने की स्थिति में भोपाल में सीएम आवास के घेराव करने की चेतावनी भी दी गई।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 13वीं किश्त में 16 हजार करोड़ की राशि का किया अंतरण

जिले के 235360 किसान हितग्राहियों के खाते में 47 करोड़ रूपये से अधिक की राशि हुई अंतरित

छिन्दवाड़ा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक राज्य के बेलगावी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 13वीं किश्त के रूप में 16 हजार करोड़ रूपये की राशि का अंतरण किया । इसमें छिंदवाड़ा जिले के 2 लाख 35 हजार 360 किसान हितग्राहियों के खातों में अंतरित की गई 47 करोड़ 7 लाख 20 हजार रूपये की राशि शामिल है । इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने जनप्रतिनिधियों और हितग्राहियों को संबोधित भी किया जिसे जिला मुख्यालय के साथ ही जिले की सभी तहसीलों, जनपद पंचायतों और ग्राम पंचायतों पर वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से देखा व सुना गया। जिला स्तर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में एन.आई.सी. के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और हितग्राही उपस्थित थे ।

विधानसभा चुनाव में मिले महिलाओं को 50 प्रतिशत सीटें

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विकास का मार्ग प्रशस्त करने केंद्र तथा राज्य की सरकार कर रही बेजोड़ काय

छिंदवाड़ा । भारत के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महिला सशक्तिकरण को अभिनव रूप देने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री भैया शिवराज सिंह चौहान से मैं मांग करती हूं कि महिलाओं के कल्याण और उत्थान की दिशा में अग्रसर करने के लिए वे आगामी विधानसभा चुनाव में 50% विधानसभा की सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करें ताकि प्रदेश की आधी आबादी को नेतृत्व करने का शुभ अवसर मिले । यह केवल भारतीय जनता पार्टी के श्रेष्ठ नेतृत्व के ही सामर्थ में है कि वे महिलाओं को राजनीति के प्रथम पायदान में अपनी जनसंख्या के अनुसार कार्य करने का अवसर दे सकते हैं । उक्त आशय की मांग महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रीति बिसेन में करते हुए कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 50% सीटों में चुनाव लड़ा कर महिलाओं के कल्याण और उत्थान की दिशा में भारतीय जनता पार्टी संगठन अग्रणी भूमिका निभा सकता है । इस आशय की मांग देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा से की गई है । श्रीमती प्रीति बिसेन ने आगे बताया कि जिस तरह से महिलाओं के विकास और कल्याण की दिशा में भारतीय जनता पार्टी कार्य कर रही है उसका ही परिणाम है कि लगातार महिलाओं को नगरीय निकाय चुनाव तथा पंचायत चुनाव में पर्याप्त आरक्षण देकर जन सेवा के पुनीत कार्य करने का अवसर प्रदान किया गया है । अब बारी है लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 50% आरक्षण देकर राजनीति में शत प्रतिशत भागीदार बनाने का है । देश में केवल भारतीय जनता पार्टी संगठन ही ऐसा है जो महिलाओं को न्याय दिला सकता है और राजनीति के क्षेत्र में काम करने का समान अवसर प्रदान कर सकता है । श्रीमती प्रीति बिसेन ने आगे बताया कि महिलाओं मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी चुनाव में 50प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर एक शिष्टमंडल शीघ्र प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा से मुलाकात कर अपनी मांग से उन्हें अवगत कराएगा।

दिग्विजय ने सतत संघर्ष से तैयार की राजनैतिक ज़मीन

कांग्रेस विचारधारा के प्रति अटूट निष्ठा से शीर्ष नेतृत्व ने हमेशा जताया विश्वास

योगेन्द्र सिंह परिहार

समूचे देश में यदि संघर्षशील ज़मीनी नेताओं की चर्चा हो रही हो और दिग्विजय सिंह जी का नाम न आये ऐसा हो ही नही सकता। 1969-70 में जनप्रतिनिधि के रूप में राघौगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष से अपनी राजनैतिक पारी की शुरुआत करने वाले दिग्विजय सिंह जी ने 1971 में कांग्रेस की सदस्यता ली। फिर मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस के महासचिव बने, मध्यप्रदेश कांग्रेस के सचिव रहे और इसी तरह कांग्रेस संगठन में छोटे-छोटे पदों पर काम करके सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़कर संगठन की बारीकियों को समझने वाले अनुभवी राजनेता बने। 1977 में जब जनता पार्टी की लहर में देश के बड़े-बड़े कांग्रेस नेता चुनाव हार गए तब दिग्विजय सिंह राघौगढ़ से छठवीं विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। 1980 में पुनः विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए एवं अर्जुन सिंह सरकार में सिंचाई, कृषि, मत्स्य पालन तथा पशुपालन विभाग के राज्यमंत्री रहे। 1984 में आठवीं लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नही देखा। ऐसा नही कि वे हर बार चुनाव जीते, 1989 में पहली बार उन्हें लोकसभा चुनाव में हार का मुंह भी देखना पड़ा लेकिन उनके हौंसले कभी पस्त नही हुए। उन्होंने हार को सबक बनाया और जीत हासिल करने वाले जज़्बे को कम नही होने दिया और वे पुनः 1991 में दसवीं लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए।

कम उम्र में किये गए उनके संघर्ष पर राजीव गांधी जी की पारखी नज़र पड़ी तो दिग्विजय सिंह जी को 37 वर्ष की उम्र में मध्यप्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। उस वक़्त के राजनेता व पत्रकार बताते हैं कि दिग्विजय सिंह जी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए अविभाजित मध्यप्रदेश (यानि जो आज छत्तीसगढ़ राज्य है वो भी मध्यप्रदेश का हिस्सा था) जैसे बड़े प्रदेश को एक गाड़ी से नाप दिया था। हर गांव, हर ब्लॉक के खूब सघन दौरे किये और जिस विश्वास से राजीव गांधी जी ने दिग्विजय सिंह जी को मध्यप्रदेश की कमान सौंपी थी उस विश्वास पर खरे उतरते हुए उन्होंने भी राजीव गांधी जी की तर्ज़ पर मध्यप्रदेश में नए युवा नेताओं को तैयार किया। एक-एक विधानसभा में लोगों को चिन्हित करके चुनाव लड़वाया। उनके ज़मीनी संघर्ष ने रंग दिखाया, 1993 में मध्यप्रदेश में काँग्रेस की सरकार बनी। उन्होंने 1993 का विधानसभा चुनाव नही लड़ा था, तो वे मुख्यमंत्री पद के दावेदार भी नही थे लेकिन वो कहते हैं न भाग्य बहादुरों का साथ देता है जब कांग्रेस हाइकमान ने विधायकों से राय ली तब सबसे ज्यादा विधायकों ने दिग्विजय सिंह जी को मुख्यमंत्री बनाने की सिफारिश की। वे 2 बार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहने के बाद मध्यप्रदेश के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने।

भाजपा के नेता दिग्विजय सिंह सरकार को हमेशा निशाने पर रखते हैं लेकिन जब आप दिग्विजय सिंह सरकार के 10 साल के शासनकाल और भाजपा सरकार के 18 साल के शासनकाल की निष्पक्ष समीक्षा करेंगे तो आप पाएंगे कि जो कार्यों का श्रेय शिवराज सिंह चौहान आज तक ले रहे हैं वो सभी कार्यों की योजना व नींव दिग्विजय सिंह सरकार ने रखी थी। शिक्षा को बढ़ावा देने मध्यप्रदेश के गांव-गांव में 26 हज़ार प्राथमिक शालायें बनवाई, 52 हज़ार ग्राम सभाएं स्थापित की। प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और सामुदायिक भवन बनाये जिनमें दिग्विजय सिंह सरकार द्वारा निर्माण किये जाने वाले शिलालेख आज भी लगे हुए हैं। ये और बात है कि उन प्राथमिक शालाओं और प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में भाजपा सरकार शिक्षकों और डॉक्टरों की पोस्टिंग नही कर पाई। बल्कि नियुक्तियां छोड़िए, भाजपा सरकार उन भवनों का रखरखाव तक नही कर पाई। सोचने वाली बात है दिग्विजय सिंह जी जिस दौर में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब उनके दूसरे कार्यकाल में राज्य का विभाजन हुआ और पृथक छत्तीसगढ़ राज्य बना। संसाधनों का बंटवारा हो गया और राज्य को वित्तीय संकट झेलना पड़ा। वह दिग्विजय सिंह जी की सूझ-बूझ और समझ थी जिसके कारण भारी वित्तीय संकट के बाद भी उनकी सरकार ने सराहनीय योजनाएं बनाई और उन पर काम करके मध्यप्रदेश के विकास को रास्ते पर लाने का काम किया।

28 फरवरी जन्मदिवस पर विशेष

वर्ष 2003 में जब मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार नही बनी तो दिग्विजय सिंह जी ने अपनी बात पर कायम रहते हुए 10 साल के लिए मध्यप्रदेश की राजनीति से दूरी बना ली, केंद्र में कांग्रेस नीत यूपीए की सरकार रहते हुए कभी लाभ के पद नही लिए। ऐसा दृढ़ संकल्प सामान्य नेताओं के बस की बात ही नही है। उन्होंने राजनीति में खुद के मानक और सिद्धांत बनाये और जीवन भर से उन सिद्धांतों पर अडिग रहकर आज भी चल रहे हैं। वे उत्तरप्रदेश सहित कई राज्यों के प्रभारी महासचिव रहे और जहां-जहां वे प्रभारी रहे वहां-वहां कांग्रेस के वोट प्रतिशत में पहले की तुलना में इज़ाफ़ा ही हुआ। वे जब उत्तरप्रदेश के प्रभारी थे तब कांग्रेस 22 संसदीय सीटें जीती थीं ये उनकी कार्यकुशलता का प्रमाण था। 2014 में उन्हें मध्यप्रदेश से संसद के उच्च सदन राज्यसभा भेजा गया। 2017 में दिग्विजय सिंह जी द्वारा खुद के लिए की गई 3100 किलोमीटर की आध्यात्मिक पद यात्रा ÷नर्मदा परिक्रमा÷ कांग्रेस के लिए टर्निंग पॉइंट बनी और मध्यप्रदेश में जब लोग काँग्रेस को चुनावी प्रतिस्पर्धा में गंभीर नही मान रहे थे तब दिग्विजय सिंह जी की पैदल नर्मदा परिक्रमा से कांग्रेस के पक्ष में माहौल बना जिससे अचानक से 2018 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, भाजपा को तगड़ी टक्कर देने वाली पार्टी बन गई। उसके बाद कांग्रेस नेताओं के सामूहिक प्रयास से मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी।

कोरोना के वीभत्स काल में जब लोग अपने घरों से नही निकल रहे थे तब दिग्विजय सिंह अपनी जान की परवाह किये बगैर भोपाल में लोगों को खाना, कच्चा अनाज व राशन मुहैया करा रहे थे। जो मजदूर नँगे पैर पैदल अपने क्षेत्रों को जा रहे थे उन लोगों को अपने हाथों से चप्पल पहनाकर, भोजन करवाकर भोपाल से विदा किया। मध्यप्रदेश के लोग जो अन्य राज्यों में फंसे हुए थे उन्हें वापस बुलाने के लिए उन्होंने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पत्राचार किया, फोन पर बात की और फंसे लोगों को वाहन उपलब्ध करवाकर सकुशल मध्यप्रदेश में उन्हें उनके घरों तक पहुंचाने का काम किया गया। वास्तव में दिग्विजय सिंह जी ने राजनीति को जनसेवा का सशक्त माध्यम बनाया। हर मुसीबत में, हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़े रहना ही तो जनप्रतिनिधि की असली पहचान है।

दिग्विजय सिंह की कांग्रेस विचारधारा के प्रति अटूट निष्ठा और समर्पण की वजह से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने हमेशा उन पर विश्वास जताया। जनता की आवाज़ को संसद में प्रभावशाली ढंग से उठाने के लिए उन्हें पार्टी ने 2020 में पुनः राज्यसभा का सदस्य बनाया। दिग्विजय सिंह जी के दीर्घ राजनैतिक अनुभव को देखते हुए श्रीमती सोनिया गांधी जी ने वर्ष 2021 में उन्हें महंगाई के ख़िलाफ़ जन जागृति लाने के लिए कांग्रेस के जन जागरण अभियान का राष्ट्रीय प्रभारी नियुक्त किया। दिग्विजय सिंह जी ने अपनी शैली के अनुसार जन जागरण अभियान के माध्यम से समूचे देश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से महात्मा गांधी के भजनों के साथ प्रभात फेरियां निकलवाई। ग्रामीण क्षेत्रों में चौपालें लगाई गई और जन जागरण को मास मूवमेंट बनाने का कारगर काम किया गया। जन जागरण अभियान ने कांग्रेस के लिए संजीवनी का काम किया और देश भर के कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर दिखने लगे। दिग्विजय सिंह की दूरदृष्टि व कुशल मार्गदर्शन से जन जागरण अभियान सफलतम साबित हुआ।

इसमें कोई दो राय नही है कि दिग्विजय सिंह ने सतत संघर्ष से अपनी राजनैतिक ज़मीन तैयार की है। ज़मीनी संघर्ष के प्रभाव को समझने वाले पूर्व सीएम हर युवा को एक ही सीख देते हैं गाड़ी-घोड़ा छोड़ो और अपने चुनावी क्षेत्रों में पैदल घर-घर जाओ, जनता से रूबरू होकर उन्हें सच्चाई से अवगत कराओ। निश्चित ही जनता से संपर्क बनाये रखने के लिए पदयात्रा, एक अचूक उपाय है। दिग्विजय सिंह जी की लोगों को जोड़ने की इसी क्षमता व पदयात्रा के अनुभव को देखते हुए श्रीमती सोनिया गांधी जी ने एक बार फिर बड़ी चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए उन्हें राहुल गांधी जी की 4000 किलोमीटर की देशव्यापी भारत जोड़ो पद यात्रा का प्रभारी बनाया। देखते ही देखते भारत जोड़ो यात्रा ने वो कर दिखाया जो कई सालों से कांग्रेस के लिए ज़रूरी था। एक ऐसा कदम जिसके माध्यम से देश में फैले नफरत के दूषित वातावरण को साफ कर प्रेम और भाईचारे का संदेश घर-घर पहुंचाना था। भारत जोड़ो यात्रा का असर इतना हुआ कि यात्रा के दौरान लाखों लोग उससे जुड़े। भाजपा-आरएसएस जो राहुल गांधी की छवि बिगाड़ने का दीर्घकाल से कुत्सित प्रयास कर रहे थे, उसे इस यात्रा के दौरान जनता ने जान लिया और राहुल जी पर भरपूर प्यार लुटाया। भारतीय जनता पार्टी द्वारा राहुल गांधी जी के खिलाफ रचे गए झूठ और दुष्प्रचार एक ही झटके में धड़ाम से औंधे मुंह गिर गए।

दिग्विजय सिंह बहुत ही संवेदनशील राजनेता हैं। राहुल जी के साथ जो भारत यात्री पैदल चल रहे थे उनमें से कुछ ने बताया कि दिग्विजय सिंह जी ने पूरी यात्रा में एक अभिभावक की तरह अपनी भूमिका निभाई, एक-एक भारत यात्री का व्यक्तिगत रूप से ख्याल रखा। भारत यात्री अंशुल त्रिवेदी ने बताया कि आम तौर पर दिग्विजय सिंह जी यात्रा के आगे सेवादल की टुकड़ी के साथ चलते थे लेकिन जैसे ही यात्रा कश्मीर पहुंची, यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी अपनी मानकर वे पीछे चलने लगे और सभी यात्रियों को एक साथ चलने का कहते, उन्हें सबकी सुरक्षा की इतनी चिंता थी कि कभी-कभी डांट भी लगा देते थे। ये भाव, ये अपनापन यही दिग्विजय सिंह का असली पहचान है।

कभी कभी लगता है कि ÷दिग्विजय सिंह÷ निरंतर चलते रहने का नाम है, उनके विचार इस गाने के बोल से खूब मेल खाते हैं ÷रुक जाना नही तू कहीं हार के, कांटों पे चलकर मिलेंगे साये बहार के। ओ राही, ओ राही, ओ राही, ओ राही... !28 फरवरी को जनता के वास्तविक प्रतिनिधि, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अभिभावक मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह का जन्मदिवस है, हम उन्हें इस अवसर पर बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। भगवान से प्रार्थना है कि वे स्वस्थ व निरोगी रहें और अनन्त काल तक जनसेवा के कार्यों में अपना समय व्यतीत करें।

शिवराज का सवाल- सवा साल में कितने इन्क्यूबेशन सेंटर खोले कमलनाथ जी

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुझे आश्चर्य हुआ कि कांग्रेस ने अपनी राष्ट्रीय अधिवेशन में जो विज्ञापन दिए उनमें महात्मा गांधी जी का फोटो लगाया जिन्होंने कहा था कि आजादी के बाद कांग्रेस भंग कर दो कांग्रेस को लोक सेवक संघ बना देना चाहिए। वो पक्ष में ही नहीं थे कि कांग्रेस रहे। उन्होंने फोटो लगाया डॉक्टर बीआर अंबेडकर जी का (भारत रत्न) जिन्हें कांग्रेस ने चुनाव में हराने का पाप किया यह सारा देश जानता है। उन्होंने नेता जी सुभाष चंद्र बोस जी का फोटो लगाया जिन्होंने कांग्रेस ही छोड़ दी थी।

सिंह ने कहा कि फॉर्मल्ड ब्लॉक बनाई फिर बाद में आजाद हिंद फ़ौज बनाई उन्होंने सरदार बल्लभ भाई पटेल जी का फोटो लगाया जिन्हें सदैव अपमानित करना का काम कांग्रेस ने किया और पी? वी? नरसिम्हा राव जी का तो ढंग से अंतिम संस्कार भी नहीं होने दिया। उनका फोटो लगाया जिनका कांग्रेस ने कभी सम्मान नहीं किया केवल राजनैतिक लाभ के लिए उनका फोटो लगाने का उन्हें कोई हक नहीं है कोई अधिकार नहीं है।

सीएम शिवराज का कमलनाथ से 26वां सवाल

चौहान ने कहा कि आपने अपने वचनपात्र में कहा था महिलाओं और बालिकाओं के लिए प्रत्येक जिले में इन्क्यूबेशन सेंटर खोला जाएगा। सवा साल में कितने इन्क्यूबेशन सेंटर खोले कमलनाथ जी जवाब दो। वैसे तो उन्हें सवालों से भागने में गोल्ड मेडल मिलना चाहिए मैं फिर उन से पूछ रहा हूं। आपने अपने वचनपात्र में कहा था महिलाओं और बालिकाओं के लिए प्रत्येक जिले में इनक्रेशन सेंटर खोला जाएगा। सवा साल में कितने इनक्रेशन सेंटर खोले कमलनाथ जी इसका तो जवाब दो। अब उनकी वो जाने लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि कांग्रेस ने अपनी राष्ट्रीय अधिवेशन में जो विज्ञापन दिए उनमें महात्मा गांधी जी का फोटो लगाया जिन्होंने कहा था कि आजादी के बाद कांग्रेस भंग कर दो कांग्रेस को लोक सेवक संघ बना देना चाहिए। वो पक्ष में ही नहीं थे कि कांग्रेस रहे। उन्होंने फोटो लगाया डॉक्टर बीआर अंबेडकर जी का (भारत रत्न) जिन्हें कांग्रेस ने चुनाव में हराने का पाप किया यह सारा देश जानता है। उन्होंने नेता जी सुभाष चंद्र बोस जी का फोटो लगाया जिन्होंने कांग्रेस ही छोड़ दी थी।

फॉर्मल्ड ब्लॉक बनाई फिर बाद में आजाद हिंद फ़ौज बनाई उन्होंने सरदार बल्लभ भाई पटेल जी का फोटो लगाया जिन्हें सदैव अपमानित करना का काम कांग्रेस ने किया और पी? वी? नरसिम्हा राव जी का तो ढंग से अंतिम संस्कार भी नहीं होने दिया। उनका फोटो लगाया जिनका कांग्रेस ने कभी सम्मान नहीं किया केवल राजनैतिक लाभ के लिए उनका फोटो लगाने का उन्हें कोई हक नहीं है कोई अधिकार नहीं है।

विधानसभा में जालम सिंह ने उठाया सड़क निर्माण का मुद्दा

भोपाल। आज विधान सभा के दूसरे दिन नरसिंहपुर से बीजेपी विधायक जालम सिंह पटेल ने क्षेत्र में पंचय विभाग द्वार किए जाते कार्यों संबंधी बात रखी साथ ही उन्होंने पंचायत मंत्री से सवाल भी किए । नरसिंहपुर जिले में ग्राम झामर गुडवारा प्रधानमंत्री सड़क से मेहका के आरईएस द्वारा सड़क निर्माण को लेकर पंचायत मंत्री से पूछा कि क्या पंचायत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि नरसिंहपुर जिले में ग्राम झामर गुडवारा प्रधानमंत्री सड़क से मेहका के आरईएस द्वारा सड़क निर्माण किया जा रहा है यदि हां तो जानकारी प्रदान करें? जिले में ग्राम झामर गुडवारा प्रधानमंत्री सड़क से मेहका के आरईएस द्वारा सड़क ब स्वीकृत की गई एवं कितने कि.मी. स्वीकृत की गई, कितनी लागत से सड़क का निर्माण किया जा रहा है संपूर्ण जानकारी प्रदान करें? साथ ही विकास यात्रा अतर्गत उक्त सड़क निर्माण गुणवत्ताहीन है यदि हां तो इस संबंध में जांच की गई , यदि नही तो क्यो क्या कारण है कारण सहित संपूर्ण जानकारी प्रदान करें ?

सीएम ने बताया कि वे अपने साथ गैंती लेकर क्यों आए!

झाबुआ। झाबुआ की हाथी पावा पहाड़ियों पर हुआ 9वां 'हलमा' अपने आपमें अनोखा रहा। खासकर मुख्यमंत्री के आने का अंदाज। वे हेलीकॉप्टर से उतरे तो उनके कंधे पर गैती देखकर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रमदानी चौंक गए। यहां 40 हजार से अधिक श्रमदानी परोपकार की भावना 'हलमा' में सहभागिता के लिए उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हलमा' में श्रमदान के लिए आने वाले को स्वयं का साधन लाना होता है! इसलिए वे भोपाल से ही गैती लेकर आए हैं।

इसके एक दिन पहले राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने इसकी सांकेतिक शुरुआत की और अगले दिन श्रमदान भी किया। ये आदिवासियों का बिना सरकारी सहयोग के जल बचाने का काम है। शिवगंगा संस्था 'हलमा' नाम से आयोजन करती है। 2009 से इसकी शुरुआत हुई थी। इस बार 9वां 'हलमा' हुआ। शिवगंगा संस्था के राजाराम कटारा ने बताया कि इस बार के 'हलमा' में झाबुआ-अलीराजपुर के अलावा राजस्थान के बांसवाड़ा और गुजरात के महीसागर और दाहोद जिले से भी आदिवासी आए थे।

शनिवार रात तक 1100 गांवों से 40 हजार के करीब आदिवासियों के पहुंचने का दावा संस्था का है। आगे यह कार्यक्रम प्रत्येक विकासखंड में करने का लक्ष्य है। आदिवासियों के अलावा आईआईटी, आईआईएम व सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित 1200 लोग भी आए हैं। इनमें 800 विद्यार्थी हैं। संस्था के महेश शर्मा का कहना है, हलमा का मुख्य उद्देश्य लोगों को परमार्थ के लिए प्रेरित करना है। ये ग्रामीण ग्लोबल वार्मिंग से अपनी तरह से लड़ रहे हैं।

आदिवासियों ने बनाए 100 तालाब- राजाराम कटारा ने बताया 'हलमा' से प्रेरणा लेकर झाबुआ-आलीराजपुर में आदिवासियों ने 100 बड़े तालाब खुद की मेहनत से बना दिए। 50 दिन तक घर का खाना खाकर काम किया। इसके अलावा 150 गांवों के माता वनों में डेढ़ लाख पौधों की मेढ़ बना दी।

राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने आयोजन में दो दिन बिताए। शनिवार को वे 'गेती यात्रा' में शामिल हुए और रविवार सुबह श्रमदान किया। रविवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए। उन्होंने पहाड़ी पर पीपल का पौधा भी लगाया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि 'हलमा' झाबुआ में ही क्यों हो, इस तरह का प्रयास पूरे प्रदेश में किया जाना चाहिए। आयोजन में राष्ट्रीय अजजा आयोग अध्यक्ष हर्ष चौहान, सदस्य अनंत नायक, आदिवासी संत कानूजी महाराज शामिल हुए।

दिग्विजय के जन्मदिवस पर जिज्ञासा का आयोजन आज

भोपाल। जिज्ञासा द्वारा मंगलवारा चौराहे पर आज रात्रि 8 बजे प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री एवं सांसद दिग्विजय सिंह के जन्मदिवस पर भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसमे संगीत संध्या के माध्यम से नर्मदा परिक्रमा, गांधी चौपाल, भारत जोड़ो यात्रा, हाथ से हाथ जोड़ो अभियान एवं नया सालद्दनई सरकार, कांग्रेस सरकार, कमलनाथ सरकार , को स्वर लहरियों से प्रस्तुत किया जायेगा ! समारोह मे तारण समाज भोपाल की स्वर कोकिला वीणा गंभीर , माँ नर्मदा पर नर्मदा के पथिक ग्रंथ लिखने बाले ओ पी शर्मा अंगदानी अनमोल जैन स्मृति सम्मान निरंतर लगभग 30 वर्षो से ब्लड डोनेट करने बाले मानव प्रदीप गुप्ता को एवं विकलांगों के लिए निरंतर कार्यरत सरदार खान सहित अन्य जन का सम्माम किया जायेगा !समारोह की अध्यक्षता तारण तरण दिगंबर जैन राष्ट्रीय महासभा के संरक्षक, मंत सवाई सेठ कन्छेदीलाल जैन रहेंगे ! समारोह मे अतिथि हिन्दु उत्सव समिति के अध्यक्ष संतोष साहू लखपति रहेंगे! समारोह मे जनप्रतिनिधि, राजनैतिक कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओ की सहभागिता रहेगी।